जीवित परमेश्वर की अचुक सच्चाईयॉ

ब्रिडिग, केन्टकी, मुझे हेनरी ब्रन्हम को गाडने की अंतिम संस्कार की सभा के लिये वहां दो बजे तक पहूँचना है, जो मेरा चचेरा भाई है। उनकी पत्नी गुजर गई है, और उनकी अंतिम विनंती थी कि मै उनका अंतिम संस्कार करु और वो ब्रिडिग, कन्टकी में है। जो लगभग एक सौ पच्चास, साठ मील दुर है, मै सोचता हूं, यह कुछ इसी तरह से है, जो दक्षिण की ओर है। और थोडा जल्दी छोडना होगा, क्योंकि मुझे वहां जाना है।

2 और फिर, हमे तब आज रात वापस आकर और कल दोपहर को जाना है। हमे... मुझे अगले हफ्ते तुल्सा ओल्काहोना जाना था, लेकीन मै तुल्सा मंगलवार से पहले नही जा पाऊंगा। और फिर हम शनिवार रात वापस आयगे; मै शनिवार रात तक आ जाऊंगा।

3 और फिर रविवार सुबह, अगले रविवार सुबह, लगभग तीन बजे हम पश्चिम के लिये चले जायेगे, और फिर हम यह होने तक वापस नही आयेगे। मै वापस आकर और मेरे परिवार और चीजो को लुंगा और वापस आयेगे प्रभु ने चाहा कभी तो होगा। और मै निश्चय ही कलीसिया से कहना चाहता हूं, मेरे लिये प्रार्थना करना।

4 और चाहता था, जाकर देखु यदि मै जा सकता हूं तो। आइये देखे, यह प्रभु भोज की रात होगी की नही, क्या होगी? [भाई नेविल कहते है, "नही"—समा।] नही। मै पिछली बार प्रभु भोज की रात को यहां पर था। लेकीन वापस नही गया... मै इस बार प्रभु भोज के समय यहां नही रहूंगा। क्या अगले रविवार रात को प्रभु भोज होगा? ["हाँ"] मै हमेशा ही इसे आगे रखता हूँ। समझे? हमेशा ही, जब आप इसे खाते और पीते है, आप ये प्रभु की मृत्यु को दिखाते है, जब तक वो फिर से नही आता है।

5 [भाई नेविल कहते है, "भाई ब्रन्हम? "—समा।] हां। [क्या आप बहन ऐडिथ के जन्मदिन की घोषणा करेंगे, हम शुक्रवार रात को वहां पर इकट्ठा होने जा रहे है"– समा।] तो, यह बहुत ही अच्छा है। बहन एडिथ राइट एक दिन और छोटी हो गई है। और बहन... वहां बहन के घर में अगले शुक्रवार रात एक छोटी संगती होने जा रही है। तो, कितना अच्छा है। तो ठीक है! क्या यह सार्वजनिक आमंत्रण है? सबको बहन एडिथ के जन्मदिन

पर सार्वजनिक आमंत्रण है... बहन लगभग अठराह की होगी; क्या यह सही है, बहन एडिथ?

6 इसी तरह से एक दिन मैने कहा था, "आप जानते है, मैने अभी–अभी पच्चीस वर्ष पुरे किये है।"

और एक व्यक्ति ने यहां वहां देखा, कहा, "हां? "

7 और मैने कहा "मेरा दुसरी बार पच्चीस है" [भाई ब्रन्हम हसंते है—समा।]

8 [कोई तो कहता है "भाई ब्रन्हम"—समा।] कब? उन्नचालीस की होगी। ओह, यह ऐसा संभव नही दिखाई देता, क्या देता है? उन्नचालीस। मै उसे हमेशा ही एक छोटी लडकी के जैसे ही बताता हूं, आप जानते है, क्योकि मैने जब पहली बार ऐडिथ को जाना, मै सोचता हूं, वो ही... ऐडिथ, आओ देखे, मै तुम्हे जानता हूं, मै अंदाजा लगाता हूं लगभग अब से कुछ बीस साल, मै अंदाजा लगाता हूं पच्चीस साल, हो सकता है अट्ठाइस साल।

9 आप देखते है, मै ईक्कीस सालो से प्रचार करते आ रहा हूं, मै सोचता हूं; इसलिये मै अंदाजा लगा सकता हूं मेरे प्रचार आरंभ करने के ठीक तुरन्त बाद से ही मै आपको जानता हूं : जो राइट परिवार है। तो इसलिये मै धन्यवादित हूं कि मै उन लोगों को जानता हूं। वे निश्चय ही मेरे जीवन में प्रेरणा रहे है।

10 और यदि राइट परिवार अन्नतकाल में चला जाता है, और मै तब भी जीवित रहता था, मै अपनी टोपी को बिना उतारे नही गुजर सकता हूँ, उन महान बातों को याद करके जो परमेश्वर ने वहां पहाडी पर की है! ओह, प्रभु। यही है, जहां पर, ओह, हर एक बात ने वहां जगह ली। और मैने वहां पर देखा है, जिन बातों ने जगह ली, परमेश्वर के दुत ने जार्ज कारर्टर के लिये मुलाकात की। इस बात ने वहॉ जगह ली जहां उसने मुझे पहाडी पर उस रात लबालब हानीकारक साम्रगी के साथ अगुवाई की और फिर उसने मुझसे दर्शन में भी वहां पर मुलाकात की, और डॉग वुड (पेड) की झाडियों से हाथ पैर के सहारे से गया। वे... ऐसे ही बहुत सारी बातों ने जगह ली।

11 भाई राइट मृत्यु के समीप पडे थे, जब सारे डॉक्रटस होकर चले गये थे। और वहां पर उसकी कलीसिया के सदस्य उससे कह रहे थे, "जाओ अपने दैविक चंगाई करने वाले को लेकर आओ।"

12 मै पहाडी पर ऊपर बैठा हुआ, चार दिन से पुकार रहा था, उसके लिये प्रार्थना कर रहा था। परमेश्वर ने दर्शन से बाते की, कहा, "जाकर उससे कहो, यहोवा यों कहता है। वो उस व्यक्ति को गाडेगा, जो उसका मजाक उडा रहा है।" और उसने किया। यह ठीक बात है। और वो सारी जो बातें है।

13 और फिर यही है जहां पर कलीसिया के इतिहास में—में पहली बार मैंने जहाँ पवित्र आत्मा को कभी आते हुये देखा, जब उसने इसे बोला... वे गिलहरियॉ अस्तित्व के अन्दर आ गयी। बहन हेटी राइट को भी वो दिया, जो कुछ भी वो मांगना चाहती थी, इसकी परवाह नही, वो जो कुछ भी हो, पैसा या जो कुछ भी हो, कहा, "यह ठीक अभी तुम्हारे पास होगा ।" उसने दो लडको के प्राणों के लिये मांगा। और परमेश्वर ने उन्हे इसे दे दिया। और ऐसी ही बहुत सारी बाते वहां पहाडी पर हुई। परमेश्वर उन्हे आशिष दे, यही मेरी प्रार्थना है।

14 कहा, छोटी शारोन रोस यहां पर बिमार है, छोटी शारोन रोस डोल्ट्न। शारोन रोस कहां पर है? क्या ये है? अभी बाहर गयी है। ठीक है; हम आगे...

15 [एक भाई, भाई ब्रन्हम से बात करता है—समा।] क्या कहा? [वो भाई फिर से बात करता है—समा।] तो ठीक है, जो है आप जानते है, आइये अब उनके लिये प्रार्थना करे।

16 क्योकि मै आपको बताता हूं कि मै क्या करुंगा। जितना जल्दी मै कर सकता हूं, मै करना चाहूँगा, मुझे वहां केन्टकी में जाना होगा। और मै... तो, यदि यह एक सौ पच्चास मील पर है, मै नही जानता। यह ब्रिडीग, केन्टकी है । मुझे इसका अन्दाजा नही है कि यह कितना दूर है। आपको वहां बहुत दूर टर्नपाइक जाना होता है, और फिर से लगभग उतनी ही दुरी पर या फिर से थोडा आगे वहां से होकर, नीचे भाई बिलर के स्थान से और उस शहर से होते हुये और एक और शहर, एक और शहर और एक और शहर एक छोटे से छोटे से चर्च के लिये, जिसे मेरे दादा ने बनाया था, एक छोटा सी मेथोडिस्ट कलीसिया, जहां पर मैने पच्चीस, तीस साल पहले प्रचार किया था।

17 और यह महिला वहीं से है जिसे गाडा जाना है। वो एक नर्स थी। और वो अचानक ही मर गयी, और उसकी अन्तिम इच्छा थी—थी कि मै उसके

गाडने की सभा में प्रचार करुं। और फिर मेरे कुछ लोग कल यहां पर आकर कहने लगे यदि मै वहां जाकर इसे करुं तो और मै ऐसे ही उनसे ना नही कह सका वो वहां बैठे थे, कह रहे थे, "यह उसकी आखरी विनंती थी।" तो यह कठीन था, आप जानते है। मैने उनसे कहा, "तो ठीक है, मै वहां उस कलीसिया में जाकर, और मै वहां उस झुण्ड को देखना चाहता हूं और फिर इसे भी लेना है।" इसलिये मुझे कैसे भी इसे जल्दी से करना होगा, तो आप समझते है।

18 अब, जबकि वे आ रहे है, मै सोचता हूं, भाई डोल्टन... [कोई तो कहता है "विश्राम के कमरे में चले गये"—सपा।] ओह, तो, कोई बात नही। अभी हम कुछ मिनट तक रुकेगें...

19 आप छोटी जेनीस को यहां पर लेकर आये। और कोई भी आकर और प्रार्थना करवाना चाहता है, यह अच्छी बात है। और हम...

20 जेनीस तुम कैसी हो? ओह, यहां—यहां एक अच्छी महिला है। यहां पर आओ? इसका इतना सुंदर होने का कारण है, यह मेरी बहन की लडकी है। और मै *यहां* पीछे होना चाहता हूं जिससे, जो मैं कहता हूं लोग मुझे सुन सकते है। अब, यह छोटी प्रिय, इसकी एक स्वस्थ माँ है और एक स्वस्थ पिता है, लेकीन इस बच्ची के साथ कुछ तो हुआ है। यह नाजूक है, बहुत ही नाजूक है और छोटी सी और दुबली, जितनी वो मधुर हो सकती है वो है और एक... निश्चय, आप जानते है मै ऐसा सोचता हूं। लेकीन हमेशा ही इस बच्ची के साथ गलत होता है । शैतान इस बच्ची को लेने की कोशिश कर रहा है। और हो सकता है, परमेश्वर का हाथ इस बच्ची पर है। समझे? हम देख सकते है, जब आप शैतान को काम करते देखते है, यही... बस देखो: वहां कही पर कुछ तो हुआ है। अब, वो कुछ दिनों से बिमार रह रही है।

21 मै बाहर वहां पर नही गया, क्योकि मै नही जानता था, क्या पता वो ठीक है की नही। मुझे फलोरिडा और यहां वहां जाना था।

22 और मै... लेकीन उसका बुखार बढने लगा। क्या यह सही नही है, बहन? उसे बहुत ही तेज बुखार आने लगता है और लगभग एक सौ और... [कोई कहता है, "तीन"—समा।] एक सौ तीन, यह पाँच डिग्री बुखार दिखाता है। डॉक्टर नही जानते कि यह क्या है। वे सोचते है यह एक प्रकार का आमवात का बुखार है। लेकीन यदि यह एक आमवात का बुखार होता, इससे हो सकता है हृदय की एक खतरनाक स्थिती होती, जिससे उसके

चाचा मर गये थे। लेकीन मै यीशु मसीह के लिये इस छोटी बच्ची के जीवन को दावा करने जा रहा हूं। समझे?

23 और आप जानते है दाऊद, जैसे मैने पहले एक बार यहां कहा था, दाऊद ने शाऊल से कहा, उसने कहा... शाऊल उसे हथियार को देना चाहता था और गोलीयात से, उस दानव से लडने के लिये एक भाले को देना चाहता था। उसने कहा, "मै—मै—मै उन चीजो के बारे में नही जानता हूं," उसने कहा, "लेकीन मेरे पास यह गुलेल होने दो, जिसे मैने साबित किया है। आपने देखा?" और उसने कहा, "एक सिंह आया और मेरे पिता की एक भेड को लेकर गया और मै उसके पीछे इस गुलेल के साथ गया और मैने उसे पकडा और मै भेड को वापस लेकर आया।"

24 अब यह भी भेडे है; मेम्ने और भेडे, परमेश्वर की भेड। आइये हम परमेश्वर की कलीसिया की नाई आज सुबह उसके पीछे जाये ताकि उन्हे वापस लेकर आये। अब डॉक्टर नही जानते बच्ची के लिये क्या करना है।

25 और मै सोचता हूं भाई इड की छोटी लडकी के लिये भी, उसे एक प्रकार का अस्तमा की स्थिती या कुछ तो उत्पन्न हुआ है।

26 तो, मै विश्वास करता हूं कि यीशु ने यह कहा: "मै तुम्हे राज्य की चाबीयां देता हूं, जो कुछ धरती पर बांधोगे, वो स्वर्ग में बांधा जायेगा। जो तुम धरती पर खोलोगे, वो स्वर्ग में खोला जायेगा।" हम अपने सम्पुर्ण हृदय से विश्वास करते है। अब, परमेश्वर हमे विश्वास दे, कि हम अपने हृदय से भरोसा करे, जब हम प्रार्थना करते है।

27 हमारे स्वर्गीय पिता, मैने यहां इस नन्हे से नाजूक वैबर परिवार के फूल को पकडा है, जो प्यारी, मघुर और नाजुक सी है। और चिकीत्सक वे विश्वास योग्य है: वे कोशिश कर रहे है जो कुछ भी वे जानते हे किस तरह से ढुढने की कोशिश करे कि इस बच्ची के साथ क्या मामला है, लेकीन वे इसे नही कर सकते है। और मैने इसके हाथों को पकडा है और मै विश्वास नही करता कि इसे कुछ आमवात का बुखार है। मै विश्वास करता हूं, यदि ऐसा होता था तो, आप मुझे बताते थे। मै सोचता हूं कि यह शैतान है जो बच्ची के जीवन को सताने की करने की कोशिश कर रहा है। और हम परमेश्वर के राज्य के लिये आज सुबह बच्ची को दावा कर रहे है।

28 तू जो मनुष्य के जीवन का शत्रु है, तू जो सर्व शक्तिमान परमेश्वर का शत्रु है, मै इस बच्ची की ओर से आकर इसे उससे बाहर करता हूं। यीशु

मसीह के नाम से, तू इस बच्ची को छोड दे। हो सकता है कि तुम डॉक्टर से बच कर निकल सकते हो, लेकीन तुम परमेश्वर से बच कर नही निकल सकते। यह विश्वास की प्रार्थना शुन्य कर देती है, यीशु मसीह के नाम से, जो तुझे इस बच्चे के शरीर में प्रहार करती है और यह उस सबंधीत स्थान पर प्रहार करेगा, जहां कही भी तू छिपा है, तू सामने आ जाएगा और बाहर निकाला जाएगा। और बच्ची जीयेगी और चंगी हो जायेगी क्योकि हम बच्ची को उसकी चंगाई के लिये यीशु मसीह के नाम में प्रस्तुत करते है। आमीन।

29 डेलोरस, इसके बारे में, मै एक और बुंद भी चिन्तीत नही होऊंगा। वो अभी पुरी तरह से ठीक होने जा रही है; और यह ऐसा ही है।

30 फिर हमारे पास यहां नन्ही सी डेल्टन है। कैसी हो, प्रिय। क्या ही छोटी प्यारी सी चीज है। ओह, तुम बहुत ही भारी हो। [भाई ब्रन्हम हँसते है—समा।] क्या यह छोटी प्रिय वास्तविक नन्ही नीली आंखो वाली लडकी और काले बालों के साथ, एक सच्ची आयरीश जैसी नही दिखाई देती। और वो जोर जोर से सांस ले रही है और उसके छोटे से फेफडे और सबकुछ आवाज करते हुए। उसके गले में अस्थमा जैसा कुछ उत्पन्न हुआ है।

31 ओ, प्रभु एक शेर और भालु अन्दर आये, दाऊद ने कहा, और पिता के कुछ मेम्नो को ले लिया, और वो उनके पीछे गया, और वो उस भालु और शेर पर जय पा सका था। और हम आज सुबह विश्वासीयों की नाई आते है (जैसे दाऊद था) परमेश्वर जो स्वर्ग में है, जिसने धरती और आकाश बनाया, यीशु मसीह के नाम में इस बच्ची के लिये आते है।

32 और शैतान, तुने जो इस बच्ची को पीडा दी है, तुझे उसे छोडना ही होगा, हम तुझे आज्ञा देते है कि इस बच्ची को छोड दे, तो वो चंगी हो जायेगी। मै तुझे डांटता हूं, शैतान: परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के पुनरुत्थान के द्वारा आज्ञा देता हूं, जिसने तुझ पर विजय पाई है, और तुम्हारी सारी सामर्थ नष्ट हो गयी थी। और तेरे पास कोई सामर्थ नही है। और मै विश्वास के द्वारा तुझ पर विजय को लेता हूं यीशु मसीह के नाम से, जो परमेश्वर का पुत्र है। जिसने हमे उस... इस सुसमाचार के द्वारा अधिकार दिया है, कि उसके नाम में, हम तुझे निकाले: यह मसीह के द्वारा दी गई आज्ञा है। तुझे उसे छोडना होगा। क्योंकि हम तुझे आज्ञा देते है यीशु मसीह के नाम में, इस बच्ची को छोड दे। और वो चंगी हो जायेगी।

33 अब बहन डॉल्टन, तुम एक बुंद भी संदेह मत करना। तुम और चिन्ता मत करना। परमेश्वर ने ऐसा कहा है, और ऐसा ही है ।

34 यह छोटी सी लड़की कौन है? [कोई तो कहता है, "लिसा विल्सन, इसे सुजन आयी है"—समा।] ओह, उसकी आँख के ऊपर सुजन है। अब, यह लगभग एक जवान महिला है। मै नही जानता मै इसे उठा सकता हूं कि नही। लेकीन यह बहुत ही सुंदर है। इसका नाम विल्सन है, लेला, लेला? लीसा विल्सन। क्या यह एक नन्ही सी सुंदर चीज नही है? उसके आँख के ऊपर कुछ तो सूजन है। तो, यीशु इस सूजन को चंगा करता है, क्या वो नही करता? सूजन को मरना होगा। तो ठीक है, यह—यह केवल एक छोटा सा ट्युमर है; यह छुट गया है; अब इसकी कोई जड नही रही। आइये प्रार्थना करे।

35 ओ प्रभु, हम इस नन्ही सी प्रिय को आपके पास लाते है, प्रभु यीशु के नाम में और इसे एक नादान बच्ची की नाई पकडे है, परमेश्वर की उपस्थिती में। और शैतान ने इस दुष्टता को उसके साथ किया है, और उसकी आँख को बाहर निकाल दिया होता, यदि वो कर सकता तो, लेकीन आप ही एक उसके लिये उससे कही ज्यादा बेहतर है।

36 हम तुझे यीशु मसीह के नाम के द्वारा आज्ञा देते है, शैतान, जिसने तुझ पर विजय को पाया है और तेरी सारी पिडाये, जो तुने लोगों को दी है। हम तुझे आज्ञा देते है, परमेश्वर के द्वारा भेजे गये दुत से दी गई आज्ञा के द्वारा, कि तु इस बच्ची से निकल जा और वो चंगी हो जाये, यीशु मसीह के नाम के जरिये से। आमीन।

37 तुम्हे आशिष मिले, नन्ही लिसा। मै अब और संदेह नही करुंगा। केवल विश्वास करे, सब कुछ ठीक हो जायेगा।

38 तो ठीक है, बहन ब्रुस। अब, आप, यदि आप चाहते है तो, यह महिलाये जो यहां पर खडी हुई है, जॉयसी, क्या आप बस थोडा सा यहां नजदीक आयेगी, जिससे की लोग यहाँ आ सके। भाई नेविल क्या आप आयेगे, यदि आप चाहे तो, और इन्हे तेल से अभिषेक करे।

[भाई नेविल लोगो को तेल से अभिषेक करते है, और कहते है, "येशु के नाम में। हल्लेलुया!"—समा]

[एक बहन कहती है, "मैं अपनी बेटी के स्थान पर खड़े रहना चाहती हूँ।"—समा।] बेटी के स्थान में, ["*वो* लड़की मेरी भांजी के स्थान पर खड़ी है।"] आपकी भांजी के स्थान पर। भांजी; बेटी।

और बहन आपका कौन है? [बहन कहती है, "मेरा बेटा... ? ... परमेश्वर पर छोड़ दिया है।"—समा।]

ये कथन लोगों को मालुम होना है।

39 अवश्य हमारी बहन यहां पर विकलांग है; मै यह देखता हूं। यह, गठिया रोग है, क्या सही है बहन? [कोई कहता है, "टुटा हुआ पुट्ठा, और लकवा हुआ था"—समा।] एक टुटा हुआ पुट्ठा, और लकवा हुआ था।

40 *इस* महिला को यहां सर के पीछे दबाव है, जैसे किसी का हाथ इसे दबा रहा हो।

41 बहन ब्रुस को पैर पर चोट लगी है, और उसे भी... [बहन ब्रुस, भाई ब्रन्हम से बात करती है—समा] वो अब भी अस्पताल में है। ["मुझे छुट्टी मिल गयी है... ? ... "] क्या आप कही गिर गयी या कुछ और? ["मैं स्वचलीत सिढीयों से गिर गयी थी... ? ... "] यह हमारी यहां कलीसिया की एक बहन है। वो स्वचलीत सिढीयों से गिर गयी थी, और वो असल में अस्पताल में है। क्या यह टुट गयी है? [बहन ब्रुस उत्तर देती है] ओह, वो नसे और लहु वाहिनी और इत्यादी। तब भी बहन अपने कुछ—कुछ प्रियजनों के लिये खडी हुई है।

42 और यहॉ तीन महिलाये प्रियजनो के लिये यहां पर खडी हुई है, तो अब हम यह जान जायेंगे, जब हम प्रार्थना करेगे। अब, आइये हर एक जन अपने सरों को झुकाये।

43 ओ, प्रभु यीशु, इन विनतीयो को ज्ञात किया गया है, और बाइबल ने कहा है, "तुम्हारी विनतीयाँ सभा के संतो को ज्ञात हो।" यहां पर वे लोग है, जो अपने प्रिय जनो के लिये प्रार्थना कर रहे है; जो वे गंभीर रुप से बीमार है, कुछ मानसीक रुप से बिमार है, जो इन्कार कर रहे है कि एक जीवित परमेश्वर है और—और दुसरी परिस्थितीयो में है। यहॉ पर हमारी बहन है, जिसके पांव पर गंभीर रुप से मोच आयी है, जो अभी यहां आज सुबह अस्पताल से निकलकर आये है; एक बहन जिसके सर के पीछे एक जोर सा दबाब है; और एक बहन को टुटा हुआ पुट्ठा और एक लकवा है। वे सब यहां है, प्रभु। वे अपनी विनंतीयो को ला रहे है, और परमेश्वर की वेदी

के सामने खडे है, उनके सर पर तेल के चमकते हुये अभिषेक के साथ, जो पवित्र आत्मा को प्रतिबिम्ब करता है। मै ज्ञान के साधारण रुप में यहां खडा हूं, जो यीशु मसीह और उसके वचन का है, और मै उन हर एक के लिये मांगता हूं।

44 परमेश्वर, जैसे मैने अपने हाथो को उन पर रखा है, होने पाये उनकी विनतीयाँ उन्हे मिल जायेगी, इसे प्रदान करे, ओ परमेश्वर, यीशु के नाम में... ? ... यह ऐसा होने पाये, हमारी बहन ग्रेटी के लिये, यीशु के नाम में। बहन ब्रुस के लिये भी ऐसा होने दिजीये, प्रभु, उसकी विनती जो घुटनो और जोडो के लिये है। हमारी बहन के लिये, जो उसके सर के पिछला भाग उस अवस्था में है, इसे होने दिजीये। प्रभु, हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु के नाम में, वो इससे छुटकारा पाये। होने पाये शैतान अपने हाथों को उसके गर्दन से पीछे से हटा ले। इसे प्रदान करे। और हमारी बहन जो दोनों तरफ से लकवाग्रस्त है, उसका टुटा पुठ्ठा और उसे एक लकवा है।

45 प्रभु, उनमे से कुछ बहुत छोटे दिखाई देते है, उनमें से कुछ बहुत बड़े, लेकीन उनमे से कोई भी आपके लिये बहुत बडे और बहुत छोटे नही है। आप उन सबके ऊपर परमेश्वर है। और मै प्रार्थना करता हूं और विश्वास की प्रार्थना के द्वारा उन्हे छुटकारा दे, उनमे से हर एक को, प्रभु, आपके एक सेवक की नाई, संदेह की सामर्थ के लिये, या कुछ भी परेशानी हो। मै उन्हे उनके छुटकारे को प्रदान करता हूं, यीशु मसीह के नाम से। होने पाये हर एक जन बिल्कुल वही पाये जो कुछ भी उन्होंने मांगा है। और जैसे यह कलीसिया, आपके देह का हर एक व्यक्ति प्रार्थना में है, हम उन्हे यीशु मसीह के नाम में छुटकारा देते है। होने पाये आपकी महिमा के लिये वे इसे अभी ग्रहण करे। आमीन।

46 परमेश्वर आपको आशिष दे, अब इसे ग्रहण करे। हर एक इसे ग्रहण करे। जाओ, अपनी चंगाई को और आशिषो को ले लो।

47 अब हमारे मनो में कोई संदेह नही है, क्या है? एक संदेह नही है। परमेश्वर इसे करने जा रहा है? क्या हर एक जन इसे विश्वास करते है? [सभा कहती है, "आमीन"—समा] परमेश्वर इसे करने जा रहा है। हर एक... वो कुछ भी अधुरा करके नही जायेगा; वो बिल्कुल वैसा ही करने जा रहा है जो हमने उसने करने के लिये मांगा है। क्योंकि, वो बिना कुछ किए

परमेश्वर नही होता। समझे? यदि हम संदेह न करे; वो हमारे लिये इसे करने के लिये महान है।

48 अब, किसी के लिये प्रार्थना करना नही भुले, जिसे सचमुच प्रार्थना की आवश्यकता है। आप सब जानते है वो कौन है? यह मै हूं। हां मै ही वो हूं, जिसे प्रार्थना की आवश्यकता है। अब दरार में खडा हुआ हूं, और एक बहुत लम्बी सभाओं की श्रृंखला के लिये जा रहा हूं, कॅलिफोर्निया से होते हुये ओरगन, वॉशिंटन, ओक्लओमा के आसपास और विभिन्न स्थानों में... लोग कॅनडा और हर कही से आ रहे है। ओर मुझे विभिन्न मतो के सेवको, विभिन्न धाराओ और शैतान की सामर्थ के सामने, दरार में खडा रहना होगा और अन्तिम—अन्तिम समय निकट आ रहा है।

49 और किस ने तो एक दिन कहा, मेरे घर पर आइये। यह एक महिला थी जो जर्मनी से हवाई मार्ग से आयी थी, और दुसरा व्यक्ति कही से तो आया था, कहा कि प्रभु ने उन्हे आने के लिये कहा, और *ऐसा, यह* और *वो और कुछ*। और किसी ने तो रास्ते से आकर कहा, "तुम इसमे कैसे खडे रहते हो? " देखा?

मैने कहा, "ओह, यह तो उसका अनुग्रह है।" आमीन।

50 मुझे तभी हवाई जहाज पकडना था, सारी रात हवाई सफर करके कॅलिफोर्निया या ऐरीजोना या फलोरिडा जाकर, वापस तुफान में आना था। शैतान ने हमें नीचे गिराने की कोशिश की, आप जानते है। और परमेश्वर हमे अन्दर ले आया। और फिर अगली सुबह, बीता हुआ कल, मुझे एक सेवक के पास तत्काल में बेकर्सफिल्ड, कॅलिफोर्निया में जाना था। और यह बस... मै इसे नही कर पाया; ऐसा ही है। और देखना, और किसी के लिए जाना है, आप—आप नही जानते वहां से कहां जाना है, आप समझते है। यह *यहां* पर एक है, *यह* एक है, *यह* एक है, *यह* एक है, *यह* एक है, आप मेरा मतलब समझ रहे है; और फिर किसके पास जाऊं? और आप सबको नही देख सकते है। इसलिये आपको बस—बस रुकना होता है, और आपको अगुवाई महसुस होती है, फिर चले जाये।

51 मै हमारे पास्टर के लिये एक अच्छी प्रंशसा करना चाहूँगा। पिछली रात वो अस्पताल मे आपातकालीन स्थित में, मै भाई वुड और चार्ली और उनके लिए बताया, यह लगभग रात का समय था, एक महिला जो वहां पर पडी हुई मर रही थी, उसकी बहने और वे वहां पर थे। और कुछ

देर के लिये वो बेसुधी में थी, उसने उठकर और प्रभु यीशु को स्वीकार किया। मुझे अगुवाई महसुस हुई प्रभु यीशु के लिये कि वहां फलोरिडा में जाऊं, जो एक पापी व्यक्ती था। और सारी रात के समय में, और जो कुछ भी है, आपकालीन में, आपको—आपको बस एक सेवक का कुछ तो जानने के लिये अनुसकरण करना होता है । और मैने हमारे पास्टर से हॉस्पीटल मे सबसे अच्छी टिपण्णी सुनी जब वो वहां बाहर आये, वो किस तरह से लोगों से मिलते रहते है और बिमारो के लिये प्रार्थना करते है, और अपने कार्यस्थल में विश्वासयोग्य है। मै—मै इस छोटे झुण्ड के, एक प्रभु का सेवक होने के लिये सराहना करता हूं, जो अपने कार्यस्थल पर विश्वासयोग्य है। आप सराहना नही करते... आपको उसकी सराहना करना है, निश्चय आपको करना है, लेकीन हम... इसी तरह से आपको एक परमेश्वर के विश्वासयोग्य सेवक के लिये और ज्यादा करना है, आप समझे।

52 ज्यादा समय नही हुआ किसी ने तो चोटाऊंगा (शहर) में, हमारी आखरी सभा पर पुछा, "भाई ब्रन्हम, आप इस तरह से कैसे करते रहते है? "

53 और मैने कहा, "यहां पर जेन गोड, पेट टेलर, ओर और वो सारा झुण्ड उन में से जो लोग यहां है, उनके जैसे, जब मै उन सभाओ में से एक में था, उनके सामने रहता था, और वे उपवास रखते और यहां तक वे खाते भी नही और मेरे लिये सबकुछ करते थे।" यही है जो मुझे आगे ले जाता है। समझे? यही वो शक्ती है। प्रभु से सहायता मिलती है। भाई डोल्टन, ओह, उनमे से बहुत से लोग, दोस्त है जो उपवास और प्रार्थना करते है, भोजन और चिजो को नही लेते है, और उपवास और प्रार्थना कर रहे है ।

54 अब, यदि भाई जेन, वे सबसे पीछे है, रिकॉर्डिग के लिये तैयार है, अब मै... भाई नेविल थोडी देर के बाद सभाओ को जारी रखेगे। मै थोडी देर के लिये कुछ बोलना चाहता हूं।

55 और अब, यदि संभव होता है तो मै वापस आ सकता हूं, शुक्रवार रात को ऐडिथ हन्नी की जन्मदिन की पार्टी पर, यदि मै ओक्लहोमा से समय पर वापस आ सकता हूं तो, मै शुक्रवार रात को, समझे, वहां आऊंगा, यदि मुझसे संभव हो सकता है तो।

56 और अब, जब हम चले जाते है, आप सब हमारे लिये प्रार्थना करे। और जैसे इसे बाइबल ने कहा, "प्रभु आपके और मेरे बीच देखता है, आप देखते है, जबकि हम एक सहभागी है।" और वो ही इसे करे, और आपको सुरक्षीत रखे और आशिष दे और हमे सुरक्षित रखे ताकि जीने की पुरी कोशिश करे जो हम उसकी सेवा के लिये कर सकते है, जब तक हम फिर से नही मिलते। और मै आपकी प्रार्थनाओ पर निर्भर रहूंगा, जब मै बाहर अपने कार्यस्थल में शत्रु का सामना करता हूं। इसलिए आप हमारे लिये प्रार्थना करना। आप जो सारे सेवकगण भाई है; भाई हुमस और भाई बेलर और वे सारे जो यहां पर है, केवल मेरे लिये प्रार्थना करे। आप समझते हो।

57 अब हम सन्त यूहन्ना चौथा अध्याय खोलना चाहते है और मै आज सुबह जिस विषय पर बोलना चाहता हूं, परमेश्वर ने चाहा तो: "*जीवित परमेश्वर की अचुक सच्चाईयां*"।

58 मै 14 वा पद को पढना चाहता हूं, साथ ही 23 वा पद जो सन्त यूहन्ना के चौथे अध्याय से है, हम अब यीशु जो कुऐ पर स्त्री के साथ बात कर रहा है, उस बातचीत की ओर जा रहे है; सन्त यूहन्ना चौथा अध्याय, 14 वा पद, साथ ही 23 वा पद:

> *परन्तु जो कोई उस जल से पीयेगा जो मै उसे दूंगा वह फिर कभी प्यासा न होगा; वरन जो जल मै उसे दुंगा वह उस में से सनातन का सोता बन जाएगा।*

59 अब वहां वो शब्द सनातन नही है, आप उस पर निशान को देखे, यदि उस में, यदि आप के पास किंग्स जेम्स की बाइबल है तो । उसमे असल में कहता है, "अन्नत जीवन के लिये" और सनातन कुछ समय के लिये होता है। अन्नत हमेशा के लिये होता है।

> *... अन्नतजीवन के लिये उमडता रहेगा।*
>
> *स्त्री ने उस से कहा हे प्रभु, वह जल मुझे दे ताकि मै प्यासी न होंऊ और न जल भरने को इतनी दूर आऊं।*
>
> *यीशु ने उस से कहा जा अपने पति को यहां बुलाकर ला । स्त्री ने उत्तर दिया कि मै बिना पति की हूं: यीशु ने उस से कहा, तु ठीक कहती है कि मै बिना पति की हूं।*
>
> *क्योकि तू पांच पति कर चुकी है और जिसके पास तू अब है वो भी तेरा पति नही : यह तूने सच कहा है।*

स्त्री ने कहा: हे प्रभु मुझे ज्ञात होता है कि तू भविष्यवक्ता है।

हमारे बापदादो ने इसी पहाड पर भजन किया; और तू कहते हो कि वो जगह जहां भजन करना चाहिये यरुशलेम में है।

यीशु ने उससे कहा, हे नारी मेरी बात की प्रतीति कर कि वह समय आता है कि तुम न तो इस पहाड पर पिता का भजन करोगे न यरुशलेम में।

तुम जिसे नही जानते उसका भजन करते हो और हम जिसे जानते है, उसका भजन करते है: क्योंकि उध्दार यहुदियों में से है।

परंतु वह समय आता है, वनर अब भी है जिस में सच्चे भक्त पिता का भजन आत्मा ओर सच्चाई से करेगें: क्योंकि पिता अपने लिये ऐसे भजन करनेवालो को ढुंढता है।

60 नाजरत के यहुदियों के दिनों में, जब वो इस धरती पर देह में चल रहा था, उसने उसके दिन में लोगों को पाया, जो एक धर्म की खोज कर रहे थे, उनके लिये छुटकारे को लेकर आये। वे एक धर्म को चाहते थे जो उन्हे उनके सारे बुराई और उनके शत्रुओं से छुटकारा दे। और मसीहत ने हर एक चुनौती को लिया, जो भी उन्होंने मांगा। मसीहत ने हर एक चीज को लिया, जो भी उनकी जरुरत थी: और जो भी उन्होंने मांगा। यह हर एक उनकी जरुरतो के लिये चुनौती है, लेकीन वे इसे स्वीकार नही करेंगे।

61 और इसी तरह से लगभग आज भी है। हम आज लोगो को देखते है, जैसे ये पहले था, एक धर्म को पाना चाहते है, जो उनके लिए कुछ तो करें, जो—जो उनके लिए सच्चाई को लेकर आये। और वास्तविक सच्ची मसीहत उन हर एक चुनोतीयों का सामना करती है, लेकिन वे इसे स्वीकार नहीं करते है। वे बस इसे नही चाहते है। यह आज के लोगो का स्वाभाव है। मैं फिर से जन्म पाई कलीसिया की बात नही कर रहा हूँ। मैं सारे राष्ट्र और देश की बात कर रहा हूँ । वे इसे चाहते हुए दिखाई नहीं देते है।

62 यदि आप कुछ भी चाहते है, और ऐसे ही आराम से नही रहेंगे जब तक आपको यह मिल नही जाता है। यीशु ने बेतमस में कहा, "धन्य है वे जो धर्म के भुखे और प्यासे है, वे तृप्त किये जायेगे।" यदि वे भुखे और प्यास है तो!

63 लेकीन आज हम लोगो को कुछ देने की कोशिश कर रहे है जिसकी उन्हे सचमुच आवश्यकता है, और वे इसे स्वीकार नही करना चाहते। वे बस इसे नही चाहते है। और लोगो का व्यवहार नही बदला है। और ठीक अब भी आज संसार की जो आवश्यकता है, वो यीशु मसीह का धर्म है, उन बातों से छुटकारा पाने के लिये, जिससे वे डरते और आशंका मे है, और जिनसे छुटकारा पाने की आवश्यकता है।

64 उन दिनों में जब वो धरती पर था, एक कारण था कि वे क्यो नाजरत के यीशु को ग्रहण नही कर सके, और विश्वास नही कर सके और उन्हे छुटकारा नही मिल सका क्योंकि उनके लिये यह बहुत ही असाधारण था। यह था। उसने उसके छुटकारे को लाया। परमेश्वर ने उनके लिये छुटकारा भेजा। और यह उनके लिये बहुत ही असाधारण था, जिसे उन्होंने— उन्होंने इसे स्वीकार करना नही चाहा, क्योंकि यह उस तरह से नही आया जैसे वे हमेशा धर्म को स्वीकार करते आये थे।

65 और यही एक मुख्य परिस्थिती, वैसे ही आज भी बनी हुई है, इसे समांतर देखकर बहुत ही विचित्र सा लगता है। आज के लोग सोच रहे है, "वो परमेश्वर कहाँ है जिसने समुंद्र को खोल दिया? वो परमेश्वर कहाँ है जिसने कोढियो को चंगा किया? वो परमेश्वर कहाँ है, जिसने कैदियों को आजा... आजाद किया? " और अब भी यह ठीक सामने है, और वे इसे स्वीकार नही करना चाहते। क्यो? उनके पास यही कारण था। यह बिल्कुल विपरित है। यह असाधारण है। वे, वे चाहते...

66 उस दिन में यदि वे उन संम्प्रदाओं या कुछ बनाई हुई बातों में से होकर उन्हे जाना होता था, कुछ रीति–रिवाज या इत्यादी, वे इसे खुशी से स्वीकार करते थे। लेकीन क्योंकि उसने इसे जिस तरिके से लाया, लोगो ने इसे इस रुप में स्वीकार नही किया, जिस तरह से उसने लाया।

67 इसी तरह से आज भी है, बिल्कुल ऐसे ही है। वे, वे इसे चाहते है, लेकीन वे इसे उस स्तर पर स्वीकार नही करना चाहते, जो परमेश्वर इसे लाता है। और केवल इसी तरिके से परमेश्वर इसे ला रहा है। और हम परमेश्वर को हमारी सोच के स्तर पर नीचे नही ला सकते है। हमे उपने आप को उसकी सोच के स्तर उठाना होगा और बुनियादो पर मिलना होगा, जिसे परमेश्वर ने हमारे लिये ठहराया है ताकि उससे मिले। समझे? वे छुटकारे को चाहते है।

68 उन सबके पास उनके संस्थाओ के रीती रिवाज थे, और फरीसी और सादुसी और हेरोदियन, और जो भी वे है, सारे विभिन्न धर्म की शिक्षा और संस्थाये थे। और हर एक जन, हर एक के पास उसका अपना ही कुछ है; वो विश्वास नही करता है, कोई पुनरुत्थान नही है, या दुत नही है, या आत्मा नही है। एक दुसरा है, जो दोनो में विश्वास करता है, पुनरुत्थान, दुत और आत्मा। और एक अलग ही तरिके से विश्वास कि तुम्हे अपने हाथो को धोना है और जिस तरिके से तुम करते हो ।

69 वैसे ही यह आज है। अब, यदि हम ऊपर आ सकते है, मसीह इस तरह की कुछ एक बातो पर आ सकता है, लोग इसे स्वीकार करना पसंद करेंगे ।

70 लेकीन जब वो अपने पुनरुत्थान की सामर्थ में आता है ताकि लोगो को जीवित बनाये, और कार्य में हो, और अपने आप व्यवहार करे और उनके लिए—लिए व्यवहार को बदले, उनके तरिको को बदले, उनके जीने के तरिको को बदले; वे इसके साथ कुछ लेना–देना नही रखना चाहते।

71 वे वैसा ही जीना चाहते है, जैसे वे जीते है। वे उसी तरह के जीने में बने रहना चाहते है जिसमे वे हमेशा से जीते आये है, लेकीन फिर भी वे बहुत ही धर्मी होते है, जो एक कलीसिया को जाते है और एक सदस्य होते है, जिसमें वे रविवार सुबह कलीसिया को जा सकते है या जो भी यह समय हो; और एक पन्द्रह मिनट का पास्टर का उपदेश हो; जो उन्हे वहां से दुर लेकर जायेगा, एक प्रकार से अधुरी संतुष्टी, जो उन्होंने अपने धर्म के लिये हफ्ते भर के लिये कर दिया है। इसे कर दिया, वापस जाये और बाकी के हफ्ते में जो कुछ भी वे करना चाहे करे।

72 अब, परमेश्वर ने इस दिनो में प्रतिज्ञा की है, वो क्या करने जा रहा है। और किसी से भी पुछना चाहुंगा, कोई भी सेवक हो, कही भी हो, एक प्रतिज्ञा जो परमेश्वर ने कलीसिया के लिये की, और जो उसने कहा वे करेगे, लेकीन सच्ची कलीसिया है जो अभी इसे कर रही है। लेकीन वे इसे नही चाहते है। वे इसे नही चाहते है।

73 यीशु ने परमेश्वर को मनुष्य जीवन में लेकर आया। परमेश्वर ने मनुष्य बनाये थे। जब यीशु ने जन्म लिया था, परमेश्वर मनुष्य बना, जिससे वो मनुष्य से संगती कर सके और मनुष्य में हो, ताकि (क्या?) एक उद्देशय को पूरा करे; वो है, मनुष्य के लिये लेकर आये, कि परमेश्वर क्या है: एक

कलीसिया क्या है वो नही, लेकीन परमेश्वर क्या है। यीशु आया की वो मनुष्य के लिये परमेश्वर को प्रस्तुत करे। और मनुष्य ने इसे नही चाहा।

74 आज पवित्र आत्मा उस रीति में आता है ताकि परमेश्वर को मनुष्य के लिये प्रस्तुत करे; लेकीन मनुष्य कलीसिया जाना चाहता है। यह—यह—यह उसके—उसके—उसके विचारो को डुबाता है। वो इसे पूर्ण रुप से समझ नही सकता है। और हमे यह सीखना जरुरी है कि परमेश्वर बौध्दिक धारणाओं से नही जाना जाता है। लेकीन परमेश्वर नये जन्म के द्वारा जाना जाता है, पवित्रआत्मा के द्वारा जाना जाता है, कोई और तरिके के द्वारा नही। यीशु, बाइबल हमे साफ—साफ बताती है कि "कोई भी मनुष्य यीशु को मसीह नही बुला सकता है, केवल पवित्र आत्मा के द्वारा।" और यदि आपने कभी भी पवित्र आत्मा को नही पाया है, आप नही जानते कि वो मसीह है क्योंकि केवल इसी तरिके से वो अपने आप को प्रकट करता है।

75 आप नही बदलते है, जब तक आप पवित्र आत्मा को नही पाते है। बाइबल ऐसा कहता है। पतरस का दोनो, बचाया जाना और पवित्रीकरण हुआ, उसे अशुध्द आत्माओ को निकालने के लिये सामर्थ मिलती है और सुसमाचार को प्रचार करना, यीशु ने उससे साफ–साफ कहा कि वो बदला नही है जब तक वो पवित्र आत्मा नही पाता है। और उसने कहा, "तुम्हारे बदलने के बाद तुम अपने भाईयों को स्थिर करना।" यह वो बतरेल की रात थी, जब वो अब तक नही बदला था। और कोई भी मनुष्य वास्तव में नही बदलता है जब तक उसका परिवर्तन नही होता और अपने आप के लिये नही मरता है, और पवित्र आत्मा उसका नियंत्रण नही ले लेता है। वे इसे नही करना चाहते है।

76 अब पवित्र आत्मा खुद एक व्यक्ती में गलत व्यवहार नही करेगा, और खुद दुसरे में दुसरा व्यवहार। यह हर व्यक्ती को अपने चरित्र के अन्दर लेकर आयेगा समझे, क्योंकि यह आत्मा है जो आपकी अगुवाई करता है। यह आपको उसके स्वभाव का अधीनता में लाता है। आप इसे अपने स्वभाव के अधीन नही बनाते है; वो आपको उसके स्वभाव का अधीन बनाता है। और पवित्र आत्मा आपको इसे जीने और प्रेम करने को लगाता है। ओह, आपके लिये कितना मधुर होता है दुनिया की चीजो को छोडना, जब पवित्र आत्मा अन्दर आता है। किस तरह से आपको साफ करता है और आपको

धोता है, और आपके अन्दर उसके पीछे चलने के लिये—लिये—लिये एक इच्छा को रखता है, और प्यास को और एक भुख को रखता है, खुद को नहलाते हुये। वो सच्चाईयों को लाता है।

77 अब, जब परमेश्वर ने मनुष्यों को यहां स्थान पर रखा, और प्रभु यीशु के दिनो में, उसने—उसने मनुष्यों को उसके सामर्थ के लिए एक सच्चे मार्ग का नक्शा दिया।

78 एक मार्ग का नक्शा जो आपको कुछ तो बताता है, आपको बताता है, आपको आगे किस ओर बढना है। यदि आप जाना चाहते है तो। जब हम कुछ दिनो में यहॉ से चले जायेगे... मैने इसे काफी हद तक पार कर लिया होगा, मेरी बुढी पत्नी और मै इसके लिये सोचकर अचम्भीत थे। पिछले कुद सालो में, आप जिक्र कर सकते है, आप कहां जाना चाहते है, मै आपको कोई भी रास्ता बता सकता हूं जो आपको इसे अगुवाई करेगा और आप पन्द्रह मिनट के समय में आप पहुंच जाऐंगे, यहां से केलीफोर्निया तक। मैने कुछ भी समय नही गवायां है, मै नही जानता... कभी–कभी तो बिल्कुल ठीक समय पर (समझे) मै समय का हिसाब लगाता हूं। मै बस आगे और पीछे और ऊपर और नीचे और आगे और पीछे जाता हूं, जब तक आप इसे जान नही लेते है।

79 इसी तरह से परमेश्वर हमसे चाहता है कि उसके वचन को जाने। हम इसे जानते है। हमने इसकी यात्रा की है। हमने इसे परखा है। हमने इसे जाँचा है और आप जानते हे यह आपको कहां अगुवाई करता है। अब, उसके मार्ग का नक्शा बाइबल है। बाइबल वो मार्ग का नक्शा है, जो अब आपको परमेश्वर सामर्थ की ओर अगुवाई करता है; विश्वास आपको सामर्थ की ओर अगुवाई करता है। सामर्थ प्रतिज्ञा को उत्पन्न करता है। हमे सामर्थ की आवश्यकता है।

80 अब, कुछ दिनो पहले, जब बहन वुड और मेरी पत्नी और मै कमरे में बैठे हुये थे, बपतिस्मा पर बातचीत कर रहे थे... यहां बहुत से हमारे बहुमुल्य भाई है कि हम परमेश्वर के बहुत ही आभारी है कि उसने पवित्र आत्मा दिया है, जैसे कि भाई विलाड कुलीन्स वहां पीछे है, और—और मैं सोचता हूं भाई हिकरसन और—और उनकी पत्नीयॉ और भाई चार्ली काक्स और उनकी पत्नी, और—और भाई माइक ईंगन यहां पर पीछे, और, ओह, कितने और भी है, जिन्होने पवित्र आत्मा को पाया है। और हमारे मध्य एक

बात करना आरंभ होता है। ओह, होने पाये कि यह हमे एक स्थान के लिये जागृत करे, जिससे कि हम परमेश्वर की सच्चाईयो को ढुंढने, भुखा होने और खिचाव की ओर लेकर जाये। परमेश्वर एक सच्चाई है।

81 अब हमे मार्ग का नक्शा किस ओर इशारा करता है? उन्हे जानना चाहिए। यीशु ने कहा, उन दिनो में जब वो धरती पर था, उसने कहा, "तुम डोंगी हो" उसने कहा, "तुम आकाश को देखकर पहचान सकते हो कि यह लाल और गहरा है, कल मौसम बहुत खराब होगा; और यदि यह सही है, तुम आकाश को देखकर पहचान सकते हो; लेकिन समय के चिन्हो को नही पहचान सकते हो, यदि तुम मुझे जानते, मेरे दिन को जानते... "

82 क्या बाइबल ने यह नही कहा कि यह बाते होगी जब वो आयेगा? क्या यशायाह ने इसकी भविष्यवाणी नही की? क्या यर्मयाह, येजकेल, सारे छोटे भविष्यवक्ताओ ने इसके लिये नही बोला, हर एक चीज, जो मार्ग का नक्शा है क्या ठीक उस एक मंजिल पर इशारा नही करता है? और जब वो आया, उन्होंने उनकी कलीसियाओ को संस्थागत कर दिया, जब तक वे इसे देखने के लिये चुक नही गये कि वो किसलिये आया था: ताकि परमेश्वर को मनुष्य में लाये, ताकि परमेश्वर को मनुष्य में बनाये, जिससे फिर से दोनो को एक साथ करे।

83 यहां तक अयुब अपने कष्ट के दिनों में, चिल्ला उठा, "ओह, यदि मै केवल उसे देख सकता।" दुसरे शब्दों में, "यदि मै उसके घर जा पाता और उसके दरवाजे को खटखटाता, यदि मै कोई एक को पा सकता, जो मेरे लिये दरार में खडा हो सकता हो।" उसने कहा, "मैं जानता हूं, मैने पाप नही किया है, लेकीन अब भी मै जानता हूं कि धर्मी हूं। मै जानता हूं मैने कपट नही किया है क्योंकि मै प्रज्वलित बली पर खडा हूं।" लेकीन उसके पास सच्चाईयों की कमी थी। उसके पास शिक्षा थी, लेकीन उसे सच्चाईयों की कमी थी। उसने कहा, "ओह, यदि मै केवल एक को भी पा सकता जो अपने हाथो को एक पापी पर रख सकता और एक पवित्र परमेश्वर," और उसके लिये सच्चाईयों को लाता है। जब वो एक नबी था और आत्मा में था, वो बैठा हुआ, अपने फोडो को खदोड रहा था, प्रभु का आत्मा उस पर आया, बिजली चमकने लगी, गर्जनाये हुई, और उसने चिल्लाया, "मै जानता हूं मेरा छुडानेवाला जीवित है और अन्तिम दिनों में वो इस धरती पर खडा होगा: यदि मेरी खाल के कीडे इस देह को नष्ट भी कर दे, फिर भी

मेरी देह, मै परमेश्वर को देखुगां।" आप वही पर है, वो सच्चाई। "वो किसी दिन आयेगा।" वो क्यो नही... वे प्राचीन महान व्यक्ती, जो वे पहले वहां पर थे, उन्होंने आगे आने वाली बातों को देखा!

84 और यीशु ने कहा, "यदि तुम मुझे जानते, तुम मेरे दिन को भी जानते।" वो परमेश्वर और मनुष्य को एक साथ करने के लिये आया। वो ही केवल एक आया। एक दुत इसे नही कर सकता है। कोई भी इसे नही कर सकता है, लेकीन वो ही। वो परमेश्वर और मनुष्य को एक करने आया।

85 उसने कहा, "उस दिन तुम जानोगे कि मै पिता में हूं, पिता मुझ में है; मै तुम मे हूं तुम मुझ में।" वो परमेश्वर और मनुष्य को एक साथ करने आया है; जहां मनुष्य परमेश्वर के लिए एक सहायक करके बनाया गया था, और खुद धरती का एक परमेश्वर बना। यह सही है। लेकीन उसके अपने मुल को गवां दिया, पाप के जरिये, और बैल और बकरीयों का लहू इस पाप की प्रायश्चिता नही कर सके। लेकीन यीशु मसीह का लहू इसे कर सका। ओह, कैसे...

86 देखना, वो—वो मार्ग के नक्शे को दिखाता है। उसने—उसने इसे साबित किया। मार्ग का नक्शे ने ठीक इसकी ओर अगुवाई की। "यदि तुम मुसा को जानते, तुम मुझे भी जान जाते। यदि तुम वचन को जानते थे तो।"

87 जब शैतान उससे मिला, शैतान ने उसे घुमाने की कोशिश की। उसके पास मार्ग को नक्शा था, शैतान ने ऐसा किया और कहा, "तुम देखो, यहां पर ये, यहां *ऐसा* कहता है।"

उसने कहा, "लेकीन ऐसा भी लिखा है... "

88 ओह, वहां पर बहुत सारी बाते होकर गयी, *ये, वो*, और *भी*, "ओह जब तक मै *इसे* करता हूं।" यह ऐसा नही है! आपको, आपको व्यक्तीगत ताल्लुक और अनुभव से परमेश्वर को जानना है। यदि आप दावा करते है आपके पास यह है, और अब भी आप दुनिया के लिये जीते है, फिर वहां कुछ तो गलत है। शैतान ने तुम्हे गलत वचन पर घुमा दिया है।

89 यदि आप रास्ते के नक्शे का अनुकरण करते है, यदि यह कहता है, "यहां इस या इस तरफ महामार्ग की ओर मुडो," उस ओर मुडो। यदि प्रेरितो के काम 2:38 कहता है, "पश्चाताप करो और अपने पापो की प्रायश्चित के लिये यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो।" यह बाये नही मुडता है; तुम्हे उस ओर मुडना ही होगा। मै परवाह नही करता, यह कैसा

है; आपको मार्ग का अनुकरण करना होगा। यदि उसने कहा, "यह प्रतिज्ञा तुम और तुम्हारे बच्चो के लिये है," इसका मतलब बीते युग के लिये नही है। "जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलायेगा," यहां इसने क्या कहा, "यह परमेश्वर के मार्ग का नक्शा है। हमे इसका अनुकरण करना ही है। वो मार्ग रेखाकिंत है।"

आप कहते है, "मै कैसे जानुंगा मै उस पर हूं?"

90 वो प्रभु यीशु के लहुलुहान पद चिन्हो ने मार्ग को बनाया, और चेलो ने उस पर उसी बुनियाद को रखा। और पवित्र आत्मा ने उन्हे निर्देश किया। उस मार्ग के नक्शे को अनुकरण करो।

91 कुछ रात्री पहले किसी ने कहा, "भाई ब्रन्हम अपने विवेक के अन्दर तो सही है। लेकीन जब वो अपने शिक्षा पर आते है, वो जी जान लगाते है।" कोई भी व्यक्ती जो केवल यह जानेगा कि बाइबल उसी वचन को सिखाता है, *नबी* का मतलब "एक वचन का विभाजक करने वाला।" उन चिन्हो को केवल एक—एक बढावा देना है। शिक्षक और इत्यादी वचन को सिखा सकते है। लेकीन जब तुम कुछ तो आते हुये देखते हो जो आलौकिक और दैविक है इसी तरह से, इससे यही साबित होता है यही वो बात है। यही वो परमेश्वर का वचन है।

92 नाजरत का यीशु जब यहां धरती पर था, लोगो ने बहुत बार मछली और रोटी और इत्यादी के लिये उसका अनुकरण किया, और जो उन्हे उससे मिल सकता है। और उसने उन्हे आने दिया। उसकी प्रसिध्दी एक बार ऊपर आना आरंभ होने लगी। और फिर एक दिन लोगो के झुंण्ड को एक साथ किया, पाँच हजार लोगो को खिलाने के बाद, दरिया के उस किनारे पर गया। एक झुंण्ड उसके पीछे इकठ्ठा हुआ, उसके साथ आ गया। और उसने कहा, "तुम क्यो आये हो? चमत्कार के लिये नही, लेकीन उन मछलीयों और रोटीयो के कारण, इसी कारण से तुम आये हो।" ओह, उन में से कुछ लोगो ने सोचा वे कुछ तो चुक गये थे, आप जानते है, यदि वे—यदि वे जाकर नही देखते कि उसने क्या किया है, लेकीन क्या इसे छुआ है? नही श्रीमान।

93 फिर यीशु ने उसी यूहन्ना के 6 वे अध्याय में, सुसमाचार को डालना आरंभ करता है, और वे उस पर अच्मभित हो गये। और उस समय से, उसकी प्रसिध्दी गिरने लगी, नीचे आने लगी, "तब वो वैसा नही था।"

94 और एक आधुनिक प्रचारक या किसी के भी जैसे, यदि वे कहते थे, "क्यों, एक मिनट यहां रुको तुम—तुम लोगो को अपने प्रचार से अच्मभीत कर रहे हो; तुम्हे—तुम्हे ऐसा नही करना चाहिये।" अब एक आधुनिक प्रचारक कहेगा, "ओह, हां, हो सकता है मुझे अच्छी तरह से देखना था कि वो—वो—वो संस्था क्या कहती है।" समझे? "हो सकता है, मेरे लिए अच्छा होता कि देखू कलीसिया इसके बारे में क्या कहती है, क्योकि शायद वे मुझे बहार निकाल दे।"

95 वो हमारा परमेश्वर नही था। हमारे प्रभु, परमेश्वर की इच्छा को पुरा करने को आया था। उसने वचन का पालन किया। और कोई भी परमेश्वर के साथ उसमे है, उसी तरह से अनुकरण करेगा। क्या वो रुका? नही श्रीमान, जबकि उसकी—उसकी प्रसिध्दी हर समय घटने लगी थी। बहुत से लोग उसके साथ और नही चले। वे उससे दुर चले गये। फिर अगले अध्याय में, कुछ और मुड गये। और अगला अध्याय, कुछ और मुड गये। वो कहां पर था? कलवरी के रास्ते पर। लेकीन क्या वो कभी रुका? नही श्रीमान। उसने कभी–भी परमेश्वर के वचन को लेकर समझौता नही किया। उसे सीधे महामार्ग की ओर अगुवाई मिली। वो मार्ग के नक्शे पर गया। वो... उसके सामने एक मार्ग था; उस मार्ग पर उसे चलना ही है।

96 हर एक फिर से जन्म पाये हुओ के सामने एक रास्ता रखा हुआ होता है। आपको उस मार्ग को अनुकरण करना है। परमेश्वर ने इसे निशान लगाया है। इसे लहु के द्वारा निशान लगाया गया है। और आत्मा हमेशा ही लहु में रहता है, क्योंकि लहु में से होकर ही जीवन आता है; लहु का जीवाणु, जीवण का जीवाणु है। अब, हमे उसका अनुकरण करना है, और हम देखते है कैसे मार्ग का नक्शा हमारा निर्देशन करता है, दिखाता है कि हम कौन से रास्ते से जा रहे है। यह हमेशा से ही ऐसा रहा है। यह हमारे लिये ठहराया गया मार्ग है। परमेश्वर का वचन हमारे लिये ठहराया हुआ मार्ग है।

97 जब एक मनुष्य एक स्थान पर आता है जहां वो वचनों को देखता है और प्रसिध्दी के कारण, कुछ कलीसिया के सताव के कारण, उसके लोगो के कारण जो उसे इसे प्रचार करने की अनुमती नही देते; वो मनुष्य कभी परमेश्वर के साथ नही होगा। तुम्हे वापस आकर और वचन को लेना होगा, परवाह नही कि यह क्या है यदि आप नही करते, आप बाहर हो जाते है

आप—आप कही पर तो घुमते रहेगे, और पाप के दलदल में डुब जायेंगे। मै किसी भी व्यक्ती को चुनौती देता हूं।

98 और मेरी लायब्रेरी में वहां हमारे पास बहुत सारे प्राचीन इतिहास है, जिसे मै जानता हूं, वो है, *पुर्व नीसीयन पिता*, वो—वो—वो *बहुत ही प्राचीन* जोसफस की लिखाई, हिस्लोप की *दो बाबुल, फॉक्स की शहीदो की किताब* बहुत, बहुत ही और भी प्राचीन लिखी हुई किताबे। और कभी कोई भी ऐसा समय नही हुआ कि एक कलीसिया खुद को एक स्थान पर लाये, जहां यह इसके स्थानागंत पर रुक गयी हो, और परमेश्वर कभी इसे ऊपर उठाया हो। वो ठीक वहां, उस दल–दल के अन्दर डुब गयी, यह सही है। वो कभी भी आत्मिक में बढती नही गयी, कभी नही गयी, और वो कभी नही जायेगी। यह परमेश्वर की योजना में नही है।

99 परमेश्वर की योजना पवित्र आत्मा है। यह परमेश्वर के कामो को करने का ठहराया हुआ मार्ग है। अब, इसे ध्यान देना। नुहा के दिनो में... परमेश्वर की योजना हमेशा ही कष्टदायक होती है। इसी कारण लोग इसे नही चाहते है।

100 नुहा के दिनो में उनके पास धर्म था। उनके पास यह दो हजार वर्षो से था, जैसे हमारे पास मसीहत थी। और वहां निन्दक थे, बिल्कुल वैसे ही जैसे अब है। और नुह के दिनो में क्या हुआ? हम देखते है कि नुह उस जहाज के एक दरवाजे पर खडा था और एक जहाज को बनाया, जो किसी भी इन्सानी सोच के विपरीत था। कभी–भी बारिश नही हुई थी, कभी आकाश पर एक बादल नही हुआ था। लेकीन परमेश्वर ने कहा बारिश होने जा रही थी। यह परमेश्वर का वचन था। परमेश्वर ने कहा, "एक जहाज को बनाओ।" और नुहा ने जहाज को बनाया, और उस एक दरवाजे पर खडे होकर और उध्दार को प्रचार किया। और केवल यही वो उध्दार का उपाय है।

101 क्या ही वो आज का एक नमुना है। वहॉ एक द्वार है जो परमेश्वर की ओर अगुवाई करता है, और वो द्वार मसीह है। मसीह वो पवित्र आत्मा है, जो हममे रहता है। और हम परमेश्वर के जहाज के दरवाजे पर खडे है, उस पवित्र आत्मा के, और प्रचार करते है, "यह वो मार्ग है," वही छायाचित्र है, जिसपर वे बाकी लोग चलते आये है।

102 नुह परमेश्वर का ठहराया हुआ मार्ग था। मिस्त्र से बाहर छुटकारा पाने के दिनो में मुसा परमेश्वर का मार्ग था (देखा?) एक औलोकिक सेवकाई, एक—एक मार्ग। देखना, नुह के पास कुछ तो अलग था। नुह के पास कुछ धर्म था, जो बाकी उन लोगों से अलग था; उसके पास परमेश्वर वचन था। और लोग परमेश्वर के वचन के आदि नहीं थे। उनके पास उनके सम्प्रदाय थे; उनके पास वो था, जो उन्होंने चाहा था। इसलिये ये—ये उनकी संस्थाओं को सुन रहे थे और वचन को नही। लेकीन नुह के पास वचन था।

103 मुसा के पास वचन था। कोई फर्क नही पडता बाकी लोगो के पास क्या था, मुसा के पास यहोवा यो कहता है था। देखो, इससे क्या साबित हुआ। उसने चिन्ह और चमत्कार को किया, और हर एक चिन्ह और चतत्कार के पास एक आवाज थी। अब परमेश्वर ने कहा, "यदि वे पहले चिन्ह की आवाज को नही सुनते है, वे दुसरे चिन्ह की आवाज को सुनेगे।"

104 अब आज के लोग, वे यीशु के दिनो के जैसे ही थे, वे चमत्कारो के पीछे चलते है, "ओह, वो हो सकता है कुछ तो ऐसा करे, जो थोडा सा अलग हो। मैने इसे होते नही देखा है। आओं देखे, यदि वो इसे परख सकता है तो। आओ देखे यदि वो इसे कर सकता है तो।" आप देखते है, वो इसी तरह से करता है। उन्होंने केवल रोटी और मछली के लिये ही अनुकरण किया। लेकीन जब यह पश्चाताप और यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा के लिये बात आती है, पवित्र आत्मा को पाने की बात आती है, वे अपनी उस पर ऊंगली को नही रखते है। यह सही है। और फिर वे तुम्हे दोषी ठहराते है।

105 उन्होंने यीशु को दोषी ठहराया; उन्होंने कहा—कहा, "तुम इसके विपरीत प्रचार करते हो।" वे उसे नही रोक पाये। वो ठीक आगे बढता गया।

106 एक बडे सेवक ने एक दिन मुझ पर हाथ रखा, कहा, "मै तुम्हारे लिये प्रार्थना करने जा रहा हूं, भाई ब्रन्हम, कि तुम कभी इस कलीसिया के लोग जिस तरह से जी रहे है, कुछ भी विरोध में नही कहोगे।" उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, तुम उन्हे... तुम उन्हे ऐसा बना रहे हो कि वे तुम पर गुस्सा हो।"

107 मैने कहा, "मै इसे कैसे रख सकता हूं, जब कि मेरा प्राण और मेरी अन्दरुनी आत्मा इसके विरोध में पुकार उठती है? "

उसने कहा, "तो मै इसके विरोध में कुछ नही कहता हूं।"

108 मैने कहा, "तुम नही कह सकते हो। तुम्हारे पास लाखो डॉलरर्स की योजनाये है। तुम्हे उनके डॉलरो को लेना है। मेरे पास इसे लेने के लिये नही है।"

109 मुझे केवल जिस चीज की आवश्यकता है, वो प्रभु के पुनरुत्थान की सामर्थ है। जिसकी सबको आवश्यकता है, वो आत्मा है। सच्चाई पर खडा होना है। मै परवाह नही करता कितनी संस्थाये इसके खिलाफ होती है; यह फिर भी परमेश्वर का वचन ही है। "धरती और आकाश टल जायेगे; पर मेरा वचन नही टलेगा, जो कोई भी इस किताब में जोडेगा और निकालेगा, उसी तरह उसके लिये भी जीवन की किताब से निकाल दिया जायेगा।" मै विश्वास करता हूं, यह बिल्कुल वैसे ही है जैसे नक्शा कहता है। ऐसा ही है, परमेश्वर का मार्ग।

मुसा के पास चिन्ह थे। उसने साबित किया कि वो परमेश्वर का सेवक है।

110 परमेश्वर हमेशा ही मनुष्यो के जरिये काम करना पसंद करता है। यह परमेश्वर की योजना है कि मनुष्यो के जरिये से काम करे। क्या आप यह विश्वास करते है? [सभा "आमीन" कहती है—समा।] परमेश्वर मनुष्यो के जरिये काम करता है। उसने मनुष्य को धरती पर उसका सहायक बनाया। उसने मनुष्य को अपने से थोडा कम परमेश्वर बनाया।

111 अब, हम हाल ही में उत्पत्ती 1:26 की शिक्षा में होते हुये आये है, जब वो एल, एला, ऐलोहिम था, वो पूर्ण रुप से, वो एक जो अस्तित्व में है। और उसमे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के गुण थे; तीन परमेश्वर नही, तीन कार्य स्थान उसमे थे जिसे उसे उन समय की परिपूर्णता में जीना था। वो एक उध्दारकर्ता था; वो एक राजा था; वो एक परमेश्वर था। यह सारी बातें उसे खुद प्रदर्शित करती है। यह परमेश्वर के गुण थे, देखो, लेकीन उस में, आदि मे उसमे थे।

112 और जब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरुप में बनाया उसने उसे धरती पर थोडा कम एक परमेश्वर करके रखा। यीशु ने इसे जाहिर किया, जब उसने कहा, "क्या यह तुम्हारे नियम में नही लिखा है कि तुम परमेश्वर हो? "

और यदि वे उन्हे परमेश्वर कहते है जिनके पास परमेश्वर का वचन आता है जो की नबी थे। "भला तुम मुझ पर कैसे दोष लगा सकते हो, जब

मै कहता हूं मै परमेश्वर का पुत्र हूं? " उसने कहा। समझे? वे इसे समझ ही नही सके। देखा? लेकीन मनुष्य को यहॉ धरती पर एक अधिकार के साथ रखा गया था। हर एक चीज उसके नियंत्रण में थी।

113 जो आदम ने खोया, यीशु ने साबित किया कि उसने लौटाया था। उसने प्रकृती को रोका। उसने मुर्दो को जिलाया। उसने—उसने सब कुछ किया, "और आज संसार कहर रहा है।" बाइबल ने कहा, "परमेश्वर के पुत्रों के प्रकट होने के लिये।" क्योंकि परमेश्वर उसके बच्चो को फिर से सच्चाई के अन्दर लाता है ताकि चीजो को वास्तविक बनाये। और यह लोगों के लिये रुकावट होता है।

114 यदि शैतान सच्चाई को उनसे दुर नही रख सकता है, वो उनमे से कट्टरपंथीयो को बनाता है; वो उन्हे *इस* तरफ और *उस* तरफ फेकता है और वे सब तरह की वस्तु को लेते है, लहू और तेल, और सनसनी होना जो कि वचन में है भी नही ।

115 लेकीन उस छायाचित्र मे बने रहो! महामार्ग में बने रहो। वचन के साथ बने रहो। इसे मत छोडना। इसी तरह से यीशु आया, कि मनुष्य भरमाया नही जाये और वहां से हट जाये, लेकीन ठीक वचन में बने रहे। उस महान सन्त पौलुस ने कहा, "यदि स्वर्ग से दुत आकर और कोई सुसमाचार प्रचार करे, जो आपको प्रचार किया गया है, उसे तुम्हारे निमित्त शापित होने दो।" हाँ श्रीमान।

116 क्यो, शैतान अदन वाटिका में एक प्रकाश के दुत की नाई नीचे उतर आया और हवा से कहा। क्योंकि, उसने—उसने भी इन्कार नही किया; उसने कहा, "ओह, तो, यह सब ठीक है। ओह, निश्चय ही, परमेश्वर ने यह कहा है; लेकिन तुम्हारे पास और उजियाला होगा।" हमारे पास आज बहुत से हवा के उजियाले और शैतान का उजियाले है, उन बातों को देखते है। और बाइबल ने कहा अन्तिम दिनों में वो शैतान खुद को उजियाले के दुत बनायेगा। और यहां संस्था और संम्प्रदाय और सारी यह बेहुदी बाते जो हो रही है... जो, इनमें से मुश्किल से आधी बातें वचन में है भी नही। यह सही है।

117 महामार्ग में बने रहो। मार्ग के नक्शे में बने रहो। उस मार्ग पर जाओ, जिसमें वे चेले गये; वचन में जाओ जो उन्होंने प्रचार किया। इसे जीयो। यह

बताओ, "मै जानता हूं यही वो सच्चाई होगी।" अंतिम दिनो के चिन्ह है, परमेश्वर मनुष्य में रहता है। यही वो परमेश्वर की योजना है।

118 परमेश्वर के पास कोई तो होना है, जिस पर वो भरोसा कर सकता है, कोई तो जिस पर वो यकीन कर सकता है; और—और वो परमेश्वर में यकीन कर सकता है, जो उस पर विश्वास कर सकता है। आप विश्वास करते है, क्या नही करते? [सभा "आमीन" कहती है—समा।] निश्चय, परमेश्वर के पास कोई तो होना है, जिस पर वो यकीन कर सकता है। और फिर जब वो एक ऐसे व्यक्ती को पा लेता है जिस पर वो अपने भरोसे को रख सकता है और अपने सामर्थ को, एक मनुष्य, जो मार्ग का अनुकरण करेगा, जो ठीक नक्शे पर बना रहेगा (समझे?) ठीक आगे जायेगा, जब तक वो सामर्थ के स्थान पर नही आ जाता। विश्वास उसे उस तक अगुवाई करेगा, क्योकि उसके पास वचन में विश्वास है। यह उसे प्रतिज्ञा की ओर अगुवाई करेगा, और वो प्रतिज्ञा... वो उसे सामर्थ की ओर अगुवाई करेगा। और सामर्थ उसे प्रतिज्ञा की ओर अगुवाई करेगी। और फिर जब उसे प्रतिज्ञा मिलती है और वो प्रकटीकरण में लाना आरंभ करता है, यह क्या करता है? यह अविश्वासीयो की आंखो को अन्धा करता है, गुनगुने, वे संस्थाओं की सेवा करने वाले भाई। यह बिल्कुल सही है।

119 यही है जो उसने वहां किया, वहां पहले यीशु के दिनो में। उसने कहा, "यदि मै नही आता, तुम पाप को जानते भी नही। लेकीन अब मै यहां पर हूं... " आमीन! "अब, मै यहां पर हूं, अब तुम्हारे पास कोई बहाना नही है।"

120 और आज, यदि परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है कि अन्तिम दिनों में, वो पवित्र आत्मा को भेजेगा और यह बातें जगह लेगी, आप इसे संदेह कर सकते है; लेकीन अब कि वो आकर और इसे कर रहा है, सारे संसार के पास कोई बहाना नही है। यह सारे राष्ट्र के बाद राष्ट्र में गर्जना हुई है, एक स्थान के बाद दुसरे स्थान, जब तक यह सारी धरती पर फैल नही जाता। यह सही है। वे बिना बहाने के है। वे इसे नही जान पाते, यदि परमेश्वर आकर और इसे नही लाता। लेकीन अब उसने इसे हमारे लिये लाया है, और फिर यह एक सच्चाईयां है, उस वचन का अनुकरण करने की सच्चाईयां, सत्य का अनुकरण। इसके साथ बने रहो।

121 "ओह, मै वहां बेपटिस्ट कलीसिया पर जाता हूं," वे कहते है, "हमारे पास सत्य है", मेथोडिस्ट कहते है, "हमारे पास सत्य है," अब सत्य किसके पास है? आप दोनो ही अलग है; किसके पास सत्य है। वहां सेवन्थ–डे– ऐवनजलिस्ट के पास जाओ, "हमारे पास सत्य है।" चर्च ऑफ क्राईस्ट के पास जाओ, "हमारे पास सत्य है।"

122 तो केवल एक ही तरिके से सत्य हो सकता है; वो है वचन के साथ बने रहो। कोई तो कही पर वचन से हटा है। उनके पास सत्य का कुछ भाग है, फिर वे जाकर और उसी पर चक्कर लगाते है। वे महामार्ग पर तो पहुंचे और घुमते रहते है। वचन के साथ बने रहो।

123 उनके साथ यीशु मसीह के बपतिस्मे के बारे में बात करो। "ओह इसे कुछ खास फर्क नही पडता।"

124 इससे फर्क पडता है, पौलुस ने कहा, उसने लोगो को यीशु मसीह के नाम में फिर से बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी; उसने कहा, "यदि दूत कुछ और ही कहे वो शापित होने दो।" इससे फर्क पडता है।

125 क्या हो यदि मुसा कहता, "मै अपने... मै अपने जुतो की बजाये टोपी उतारुं। मुझे जुते उतारने मे कठीनाई होती है, मै अपनी टोपी को उतारुंगा और आदर को दिखाऊंगा?" परमेश्वर ने कहा, "जुते।" और परमेश्वर चाहता है: जुते ना की टोपी, जो उसने कहा।

126 परमेश्वर उसके हर एक वचन को शब्द दर शब्द पूरा होने की आज्ञा देता है। इसे होना ही है। तुम्हे वो ही करना है, जो वो करने को कहता है, क्योंकि एक मात्रा या एक बिन्दु भी इसमे से नही टलेगा। "धरती और आकाश टल जायेगे, लेकीन मेरा वचन नही टलेगा।" इसे बने रहना है। एक—एक मात्रा या थोडा भी इसमे से नही टलेगा; इस सबको पूरा होना होगा।

127 और अब, मनुष्य परमेश्वर के अधीनता में था। मनुष्य ही से परमेश्वर कार्य करवाता है।

128 और फिर जब मनुष्य सत्य को पाता है, सही महामार्ग पर आ जाता है, और आगे बढना आरंभ करता है, और बढते हुये इन सच्चाईयों को पाता है। यह क्या करता है? वो अविश्वास करनेवाला भाई, वो उसकी ओर देखेगा; यह लगता है वो—वो—वो इसे स्वीकार नही कर सकता है। यदि वो करता है, उसे उसकी कलीसिया को छोडना होगा। यदि वो उसकी कलीसिया को छोडता है, वो अकेला खडा रहता है।

129 एक सेवक ने मुझसे कहा, ठीक वहां एक इन्टरव्युह के होने के बाद, एक सेवक ने कहा, "यहां पर देखो!"

130 मैने उनसे मंच पर कहा, मैने कहा, "यदि मै बिल्कुल ही गलत हूँ, यहां पर सैकडो सेवक है, कोई तो आकर और मुझे सिखाये क्या सही है।" आपने किसी को आते हुये नही देखा, क्या आपने देखा? आप नही देखेगे क्योंकि वहां कोई नही है [भाई ब्रन्हम पुलपीट पर खटखटाते है—समा।]

131 एक सेवक, प्रमुख सेवक, मै उसका नाम नही लुंगा। वो बहुमुल्य भाई है। उसने आकर कहा, "भाई ब्रन्हम, आपकी सेवकाई में, निश्चय, आप आगे जा सकते है और इसे कर सकते है। लेकीन यदि हम यह स्वीकार करते है तो, हम स्वीकार करते है, हमारी कलीसिया हमसे मुड जाती है, तब हम कहां जा सकते है? "

132 मैने कहा, "पूर्णरुप से छिपने का स्थान यीशु मसीह है। यही है जहां आपको जाना है। मसीह के पास जाओ।"

"तो ठीक है" उसने कहा, "लेकीन हमारी सेवकाई? "

133 मैने कहा, "तुम्हारी सेवकाई बिल्कुल वैसे ही है, जैसे किसी की सेवकाई होती है यदि यह मसीह की है तो, कोई फर्क नही पडता कि तुम कही पर भी जाओ।

134 कहा, "तो, यदि मै इस तरह बपतिस्मा लेता था, वे मुझे मेरी कलीसिया से लात मार कर बाहर कर देते थे।"

मैने कहा, "उन्होंने मुझसे किया, तो फिर उससे क्या फर्क पडता है? "

135 केवल उस महामार्ग में चलते रहो। केवल उस छायाचित्र का अनुकरण करो। निश्चय ही, बस इसके साथ आगे चलते चलो, कोई फर्क नही पडता, उन्हे क्या मिला है।

136 शाऊल के पास एक प्रशिक्षित सेना थी। शाऊल के पास एक बडी बुध्दि से भरी सेना थी। वे—वे शेमुएल का नही चाहते थे; जैसे मैने यहां कुछ समय पहले प्रचार किया था, कही तो। उनके पास वो बडी सेना थी। ओह, निश्चय, शेमुएल, और शेमुएल ने उन्हे बताया; उनके इस राजा को चुनने से पहले उसने उसे ऊपर लाया। परमेश्वर उनका राजा था।

137 और परमेश्वर हमारा राजा है! हमे भला परमेश्वर के अलावा, क्यो कुछ और चाहते है? क्यो एक मसीही को उसे अगुवाई करने के लिये कुछ

और चाहिये लेकीन पवित्र आत्मा नही? मै नही जानता। मै इसे समझ नही सकता हूं।

138 और शेमुएल ने उन्हे ऊपर बुलाया। उसने कहा, "मै तुम्हे कुछ तो बताता हूं।" कहा, "क्या मैने कभी कुछ भी आपसे प्रभु के नाम में कहा, लेकीन क्या पूरा नही हुआ? "

"नही।"

139 "क्या मैने कभी तुम्हारा पैसा लिया? क्या मैने कभी तुमसे पैसे मांगे? "

140 "नही, तुमने हमसे कभी कोई पैसे नही मांगे। और जो तुमने कहा, प्रभु ने इसे पूरा किया है। हम यह जानते है।"

141 उसने कहा, "फिर तुम परमेश्वर को ठुकराते हो और एक राजा को चाहते हो? तुम संसार की नाई व्यवहार करना चाहते हो।"

142 और यही है जो आज पेन्टीकास्ट कर रहे है। ये बौध्दिक दानव बनाना चाहते है। ये कलीसिया से सामर्थ को बाहर निकालना चाहते है। यह एक संस्था को बढाना चाहते है, और सदस्यों को अन्दर लाना चाहते है। यह मुर्खता है। और जब आप एक मुनष्य को संप्रदाय में बान्धते हो। जब आप ऐसा करते हो, आप उस व्यक्ती से पवित्र आत्मा को दुर कर देते हो; उसे कही पर तो देना होगा। पवित्र आत्मा आगे बढ जायेगा: वो मनुष्य अपने संप्रदाय के कारण नही कर सकता है। अब उसने कहा...

143 और फिर, ऐसा है, शाऊल ने उसकी सेना को प्रशिक्षित किया। उसके पास इस्त्राएली थे, जो यह सब जानते है किस ओर भाले को डालना है, या जो भी करना है। लेकीन एक दिन वहां एक चुनौती देने वाला आता है, प्राचीन गोलियात। और, भाई, फिर बौध्दिक प्रशिक्षण से अधिक बात को लिया जाना है।

144 इसने एक व्यक्ती को लिया जो औलोकिक के बारे में कुछ तो जानता था। लेकीन परमेश्वर के पास एक ऐसा व्यक्ती था। परमेश्वर को इसके लिये धन्यवाद हो। परमेश्वर के पास हमेशा ही कोई न कोई होता है। उसके पास हमेशा ही कोई तो होता है। उसके पास एक मनुष्य था, जिस पर वो अपने हाथो को रख सकता है: एक छोटे कद का प्राचीन गुलाबी, एक व्यक्ती वहॉ पर आता है, बहुत ज्यादा नही था, लेकीन वो वहां आता है, और उसने कहा, "तुम्हारा मुझसे कहने का मतलब यह है कि तुम उस खतनारहित

फिलीस्तीनी को उस सेना को गिराने दोगे? " और वहां वो प्राचीन शाऊल था, जिसका सर और कन्धा उन सबसे ऊंचा था। उसकी सारी बौध्दिक प्रशिक्षण ने कुछ भी अच्छा नही किया।

145 अब कलीसिया ने ऐसा ही किया है। वे पवित्र आत्मा से दूर चले गये है। वे परमेश्वर की सामर्थ से दूर चले गये है। वे आत्मा की अगुवाई से दूर चले गये है। और हमारे पास... हमारे पास भी—भी कीश के पुत्र है। एक दिन यहॉ पर आफ्रिका में हमारे पास भी अभी एक बडा दानव हुआ था, जिसे वचन पर उसे एक मोहम्मदीन के द्वारा चुनौती मिली। क्या हुआ? उसने कीश के पुत्र के समान पानी को लिया; हमारे भाई का अपमान ना हो।

146 लेकीन उनके पास एक मनुष्य था, जो जानता था कि परमेश्वर छुडा सकता है। उन्होंने उस छोटे प्राचीन दाऊद को वहां पर लाया, और उसने कहा, "मै तुम्हारे भालो के बारे में कुछ भी नही जानता, और तुम्हारे बौध्दिक प्रशिक्षण के बारे में नही जानता। लेकीन मै एक बात को जानता हूं। मै एक बात को जानता हूं। मै एक भेड के पीछे गया, जो मेरे शत्रु के द्वारा उठा ली गयी थी; परमेश्वर उसे मुझे वापस लाने दो।" उसने कहा, "तो कितना और अधिक वो मुझे तैयार करेगा, मुझे इस खतनारहित फलीश्तीनी को वापस लाने दो।"

147 हमे आज स्त्री और पुरुषो की जरुरत है जो एक सच्चाई को चाहते है, हाल्लेलुया! एक संप्रदाय नही; एक सच्चाई। यही है, जिसकी आज संसार को आवश्यकता है, संप्रदाय और संस्थाये नही; हमे परमेश्वर में सच्चाईयां की आवश्यकता है। संसार इसे नही चाहता है। संसार इसे नही चाहता है। वे इसे स्वीकार करना नही चाहेगे, वे नही स्वीकार करना नही चाहते है। लेकीन कलीसिया के पास यह होना है। परमेश्वर चाहता है कि आपके पास यह हो। वो सच्चाईयों का परमेश्वर है। हां, श्रीमान।

148 एक रात मै कुछ दोस्तो के साथ गया, जो अभी मौजुद है, उसमे से एक झुंण्ड, यहां यह—यह देखने के लिये गए, *सेम्सन और डिलैला*, जो एक सैसील बी, डिमेली की प्रस्तुती है। मैने इसके बारे में बहुत सुना था। मैने सोचा मै जाकर देखुगां यह कैसे दिखता है। जब मैने इसे देखा तो मैने सोचना आरंभ किया, परमेश्वर ने शिमौन जैसे व्यक्ती में क्या देखा, न्यायीयों के दिनो में।

149 देखो, परमेश्वर मनुष्यो को इस्तेमाल करता है। क्या आप यह विश्वास करते है? लेकीन वो तभी... वो तभी मनुष्यो को इस्तेमाल कर सकता है, जब उसे मनुष्य मिल सकते है; जब उसे कोई तो मिल सकता है, जिसका वो इस्तेमाल कर सकता है। न्यायीयो के दिनो में, एक ऐसा समय था, उसे एक भी मनुष्य नही मिल पाया। केवल जो एक बात वो कर सकता था बस एक को खडा करे और वो किसी भी तरह से आगे बढे; और फिर एक और को खडा करके और वो किसी भी तरह से आगे बढे। उसके पास कोई मनुष्य नही था, जिस में वो पूरी तरह से सुनिश्चित होकर भरोसा कर सके।

150 और मैने सोचा, उसने शिमौन के अन्दर क्या देखा? शिमौन, जो हमारे आज के बहुत से अगुवाई करने वाले है। एक स्त्री का पुरुष, जो स्त्रीयो के पीछे–पीछे एक स्थान से दुसरे स्थान पर जाता है। आज के हमारे बहुत से अगुवाई करने वाले, हमारे आज के वचन पर एक समझौता करने वालो के जैसे है, एक स्त्री उन्हे चलाती है, उन्हे प्रचारक होने के लिये रख देते है और इसी तरह की बातें। ओह, मेरे प्रभु!

151 मै ऐसे ही किसी भी व्यक्ती से पुछता हूं, एक स्त्री प्रचारक के लिये वचन बताओ। मै आपको साबित कर सकता हूं कि पूराने नियम में जैसे पौलुस ने कहा, "यहां तक नियम भी यो कहता है।" मै पुराने नियम की घटनाक्रम में कल देख रहा था और मैने उसमें पाया कि यहां पर उनके पास विशेष व्यवस्था थी, जिसमे एक स्त्री यहां तक दुसरे या तिसरे आंगन में नही आ सकती है, अकेले पुलपीट पर आने देते है। उनके पास मंदीर में विशेष व्यवस्था थी ताकि अन्यजातीयो को बाहर रखे और बाद में स्त्रीयो को और बाद में फिर लेवी आते है और फिर परम पवित्र स्थान है। वे यहां तक दुसरे आंगन में भी नही आ सकते है। यह बिल्कुल सही है। और आज हमने स्त्रीयो को हमारी प्रतिमा बना दिया है। हमारे बहुत से नेता सुंदर स्त्रीयां और इस तरह से उन्हे उक—उकसाती है, उस स्त्रीं की आत्मिक सुंदरता होने दो, जो कलीसिया है।

152 आप जानते है, एक स्त्री एक कलीसिया का नमुना है। हम दुल्हन है। वो कलीसिया दुल्हन है।

153 वहां बहुत सारी दुल्हने है। और फिर भी, उन्हे वे फुसलाने देते है। आज वे सेवक, वे कलीसियाये उन्हे सच्चाईयों से नीचे उतार देती है। और वो क्या

करती है? वे अपने बालो को काटती है; वे अपनी सामर्थ को काटती है, उनके पास अपने ही तरिके है।

154 मेरी बहनो के खिलाफ कुछ नही, यदि एक मनुष्य को पत्नी से बेहतर परमेश्वर चीज दे सकता है, तो वो उसे दे देता।

155 लेकीन सब स्त्रीयां पत्नीयॉ नही है, सारी स्त्रीयॉ नही। सारी महिलाये, मां नही होती। वे सारी जिनके पास बच्चे है, मातायें नही होती। मैने कुछ को देखा है मुझे एक कुत्ते के लिये ज्यादा आदर है, जो अपने बच्चो को लेते है और उन्हे जाकर फुटपाथ से उठा लेते है और उस पर... और लोग इन गन्दे छोटे कपडो और चीजो को पहने और चीजों को डाले हुए और अनैतिक कपडे पहने हुये बाहर निकलते है।

156 मैने कुछ मनुष्यो को कल रास्ते पर जाते देखा है। मै नीचे शहर में कुछ बात के लिये जा रहा था, मैने एक व्यक्ती के बाद दुसरे व्यक्ती को रास्ते पर देखा, जो रास्ते पर अपनी जवान सुंदर पत्नी के साथ जा रहे थे, छोटे गन्दे कपडे पहने हुये, भयानक दिखाई देती थी। वो एक पुरुष नही, वो एक कायर है। कोई भी अपनी पत्नी को ऐसे कपडे पहनने देता है, एक पुरुष नही होता है। ओह, हो सकता है उसके मांस पेशिया हो; वो पशु है, वो जानवर है।

157 एक *पुरुष* "चरित्र" होता है। यीशु, वो सबसे महान पुरुष जो कभी जीया, वो एक छोटा कुछ का नाटा सा, जिसकी कोई सुन्दरता नही थी जो हम उसे चाहते लेकीन उस एक यीशु मसीह के जैसा चरित्र जिसे प्रस्तुत करने वाला धरती पर कभी–भी नही था।

158 मैने कुछ मनुष्यो को दौ सौ पचास पाऊंड वजन उठाते देखा है, उनके पास पुरुष का एक अंश भी उनमे नही है। जब यह आया... [टेप पर रिक्त स्थान—समा।]... कभी भी घोडे जैसा ताकतवर मत होना। कभी–कभी उनके पास एक घोडे की चेतना नही होती है, इसलिये एक घोडा कुछ चीजो के लिये बुध्दिमान होता है। घोडे अच्छी तरह जानता होगा। अब, यह सच्चाई है। अब, आप केवल आजमा ले कि घोडा, उस घोडी को पकडने की कोशिश करने दो, आप देखना कि क्या होता है। घोडे के पास उत्तम चेतना है। आपने देखा? और पुरुष के पास घोडे के जैसी चेतना भी नही है, जब यह एक जीवन निर्वाह के जांच पर बात आती है।

159 और हम उसे एक बिगडी सुअरी बुलाते है, उसे सुअरी बुलाते है और बिगडी कुतीया, एक व्यभिचारी। और बहुत सी सुंदर चेहरे की स्त्रीया जो यहां चारो ओर है परमेश्वर की दृष्टी में बहुत ही नीचे है, दस लाख गुना उस एक व्यभिचारी कुतिया या सुअरी से। यह बिल्कुल सही है!

160 यह सुनने में बहुत बुरा सा लगता है; यही वो कारण है लोग इसे पसंद नही करते है। यही है वो, जब यीशु ने उन्हे सच्चाई बताई; वे उससे मुडकर चले गये। लेकीन वो घडी आ चुकी है, और अभी है, कि वो पिता कुछ तो चाह रहा है, उसकी आराधना आत्मा में हो, और आत्मा में चले, और आत्मा में जीये, और सच्चाई को बताये।

161 सच्चाई हमेशा ही या तो आजाद करती है या बान्ध देती है। यदि आप बन्धे हुये है, तो फिर आप आजाद नही है। और यदि आप आजाद है, आप उस तरह से नही जीयेगे।

162 आप कहते है, "तो मुझे पवित्र आत्मा मिला है," और अब भी आप उसी तरह से ही जी रहे है? कुछ तो आपके साथ हुआ है। आपको पवित्र आत्मा नही मिला है जो पेंटीकोस्टल में आया था; इसने आपको विभिन्न बनाया है ।

163 "मै अन्यभाषा बोलने में विश्वास नही करता। मैं दैविक चंगाई मे विश्वास नही करता। मै इन बातों पर विश्वास नही करता।" फिर आपको कभी पवित्र आत्मा मिला ही नही, जो पेन्टीकास्ट पर उतरा। निश्चय ही आपको नही मिला।

164 आपने कैसे बपतिस्मा लिया था? "मैने बपतिस्मा लिया है।" कैसे, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में? कोई आश्चर्य नही, जिस तरह से तुम व्यवहार करते हो। देखा?

165 पौलुस ने कहा, "क्या तुमने पवित्र आत्मा पाया, जब से तुमने विश्वास किया? "

166 उन्होंने कहा, "हम पहले से विश्वास करते है। हमने बपतिस्मा लिया है।" प्रेरितो के काम 19, देखो यदि यह ऐसा नही है। "हमने यूहन्ना का बपतिस्मा लिया है," उसने—उसने कहा, "उसी मनुष्य का जिसने यीशु का बपतिस्मा किया।"

167 उसने कहा, "यह काम नही करेगा।" कहा, "तुम्हे आकर फिर से बपतिस्मा लेना होगा, यदि तुम पवित्र आत्मा को पाना चाहते हो तो।" तुम्हे

हो सकता है जो तुम्हे मिला हो, जो इसके जैसा दिखता हो; कुछ तो उसके जैसा कार्य करता है, थोडा बहुत मिलता; लेकीन यह वो वास्तविक चीज नही है, कारण तुम्हे आकर और यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लेना होगा। और उन्होंने जब ऐसा किया, उसने उन पर हाथो को रखा और *फिर* पवित्र आत्मा उन पर उतर आया। उन्होंने सोचा उनके पास यह था।

168 और मै जानना चाहता हूं, वो भाई जो यहां इस कलीसिया में है, या ये कहा था, कहा कि उस मुल युनानी ने नही कहा, "जब तुम विश्वास करते हो, पवित्र आत्मा को पाते हो," कहा, युना—युनानी ने यह कहा था। मै चाहता हूं कि आप जाने कि यह गलत है। यह एक गलती है; यहां तक युनानी ने भी नही, ना ही इब्रानी, या अरेमीक भी नही। इसने कहा, "क्या तुमने पवित्र आत्मा को पाया, जबसे तुमने विश्वास किया?" ऐसा नही कि *जब* तुम विश्वास करते हो। इसलिये यह किसने कहा, तुम जानते भी नही कि तुम किस बारे में बात कर रहे हो, भाई। समझे? नही, श्रीमान। तुमने पवित्र आत्मा पाया, तुम्हारे विश्वास करने के "बाद," ना ही *जब* तुम विश्वास करते हो।

169 पवित्र आत्मा परमेश्वर का एक दान है, जो तुम पर आता है, जो तुम्हे बदलता है और पूरी तरह से, जो दुनिया है उससे अलग बनाता है और दुसरे लोगों से अलग। आप अलग है। वे... आपके पास पहनने के लिए कोई अलग कपडे नही होते है; आप कोई अलग गोल कॉलर को नही पहनते हो या एक लम्बा वस्त्र। आप अलग ही जीते हो। आप अलग ही करते हो। परमेश्वर की सामर्थ आपके साथ है। लोग आपको जानते है। आप पर ध्यान जाता है जहां कही भी तुम जाते हो। परमेश्वर उसके अपनो को जानता है। वो उसके अपनो को छाप लगाता है, यह ऐसा ही है। लेकीन आपको सच्चाई पर आना ही है। समझे?

170 शिमशोन में वो क्या था, जो एक स्त्री के पीछे जाने वाला है? निश्चय ही। वो घमण्डी था, अपने माता–पिता की आज्ञा न माननेवाला। उन्होंने उससे कहा, वहां उस स्त्री के साथ मत जाना; जो ईजाबेल है, लेकीन उसने उनकी नही सुनी। यह क्या था? शिमशोन के पास शक्ती थी। अब, सुनना। शिमशोन अपनी शक्ती को पूरी तरह से प्रस्तुत करना चाह रहा था। शिमशोन ने अपनी शक्ती को परमेश्वर को दिया, लेकीन उसने अपने हृदय को दिलैला को दिया।

171 इसी तरह से आज है। अब, बहुत से पुरुष दूर विद्यालय जाकर और सीखेंगे; ओह, एक बौध्दिक दानव, सारे युनानी और हर एक चीज को सिखते है; लेकीन जब यह सच्चाई पर आते है, वे अपनी पढाई की शक्ती को परमेश्वर के लिये दे देगा, हां, लेकीन उसका हृदय कलीसिया को दे देगा और परमेश्वर को नही। यही वो बात आज लोगो के साथ है; वे अपने संस्थाओ का अनुकरण करना चाहते है।

172 वे पवित्र आत्मा की सच्चाईयों को नही चाहते। वे कुछ अलग नही करना चाहते, वे वही करना चाहते है, जो हमेशा से करते आये है। लेकीन जब आप एक मसीही बनते हे, आप एक अजीब व्यक्ति होते है, एक शाही पुरोहिताई, एक अनोखा राष्ट्र, विचित्र लोग, विचित्र बातो को करते और अनोखी बातें, संसार के लिये अनुचित होते है। जब आप संसार में होते है, आप परमेश्वर के लिए अनुचित होते है। वो एक जो दुसरो से विपरीत है। वो एक जो तुम्हे ऐसा करने को लगाता है जैसे वे स्वर्ग में करते है, वो दुसरा तुम्हे ऐसा बनाता है, जो तुम धरती पर करते हो।

173 और यदि लोग वैसा करना चाहते है जैसे वो धरती पर करते है, और जाकर कहते है वे स्वर्ग जा रहे है, लेकीन क्या ही निराशा की बात है जो होने जा रही है। यीशु ने कहा, "बहुत से मेरे पास उस दिन आयेगे। वे लाखो लाख खडे होगे और कहेगे, 'मै *इससे* ताल्लुक रखता हूं, और मैने *यह* किया है।'" और उसने कहा, "मुझसे दूर हो जाओ; तुम अधर्म के कर्म करनेवालो, तुमने संस्थाओ की सेवा की है।"

174 यदि तुम आत्मा के चलाये चलते थे! सारे परमेश्वर के पुत्र और कन्या आत्मा के चलाये चलते है। वे आत्मा के द्वारा बढते है, विचित्र, अनोखे। वे ठीक बने रहते है, और हर एक कार्य बाइबल के साथ होता है। वे बने रहते है, उनके सारे सिध्दांत ठीक बाइबल के साथ होते है। वे एक बात पर भी नही पलटते है। जहां बाइबल यह कहता है, वे ठीक उसमे आगे बढेगे। यदि वे एक मिनट के लिये रुकते है, वे अध्ययन करने की कोशिश करते है और देखते है किस तरफ जाना है; और तब पवित्र आत्मा इसे प्रकट करता है, और वो ठीक इसमे आगे बढता है। और वो वही बात को करता है, उन्ही नियम को पालन करता है, उसी बुनियाद को रखता है, वही परमेश्वर उस पर आता है, और वही आश्चर्यकर्म और वही चमत्कार और वही चिन्ह उसके पीछे जाते है, जिसने उसका पीछा किया।

175 उसने कहा, "यदि तुम मुझ पर विश्वास नही करते, एक मनुष्य के नाते, मेरे कामो पर विश्वास करो। मुझ पर विश्वास करो। यदि मै पिता के कामों को नही करता, तब मुझ पर विश्वास मत करो।" देखा, वहां इस विश्वास के साथ कार्य भी होता है। "मुझे तुम्हारा कार्य तुम्हारे बिना विश्वास के दिखाओ, और मै तुम्हे मेरे विश्वास के द्वारा मेरे कार्य को दिखाऊंगा," पौलुस ने कहा। समझे?

176 अब, देखना, शिमशोन में क्या था? उसने अपने हृदय को समर्पित नही किया।

177 आज पुरुष अपने संप्रदायो की ज्यादा सोचते है, फिर वे... और लोग अपने संप्रदायो की अधिक सोचते है। तो, अब, मै कलीसियाओ के विरोध में कुछ नही बोल रहा हूं।

178 मै पेन्टीकॉस्टल के बारे मे बात कर रहा हूं! जो, यह कलीसिया पेन्टीकास्ट का सहारा लेती है। यह एक पेन्टीकॉस्ट संस्था नही है। हम किसी संस्था से ताल्लुक नही रखते, हमारा कोई इरादा नही है। हम मसीह के है, यह सही है। और अब, पेन्टीकॉस्ट एक संस्था नही है। पेन्टीकॉस्ट एक अनुभव है, जिसे लोग लेते है। मेथोडिस्ट इसे लेते है। कैथोलीक इसे लेते है। बैपटिस्ट इसे लेते है। कोई भी इसे ले सकता है, लेकीन यह एक अनुभव है।

179 और वहां हजारों और हजारों है, जो खुद को पेन्टीकास्ट कहते है वे जानते भी नही कि पेन्टीकास्ट का पहला सन्देश क्या है। इससे पहले कि आप सही शुरुवात करे, आपको सही बुनियाद को लेना होगा। आपको पेन्टीकास्टल की बुनियाद पर आना होगा। पेन्टीकास्टल की बुनियाद क्या है?

180 जब पेन्टीकास्ट के दिन कलीसिया का शुभारंभ किया गया था, जब उन्होंने उन्हे अन्य भाषा में बोलते देखा, और वो कुवारी मरियम वहां बाहर निकली, जैसे उसने मदिरा पी रखी हो, और वे बाकी सारे इस तरह इधर–उधर लडखडा रहे थे, उन्होंने कहा, "क्या? यह क्या है? क्या उन्होंने पी रखी है? "

181 पतरस ने कहा, "उन्होंने पी नही रखी है, आपको ऐसा लगता है, देख रहे हो यह दिन का तिसरा पहर है। यह वही है, जो पहले छायाचित्र पर कहा गया था, वहां पहले उस मार्ग के नक्शे पर। यह वही है, जो मार्ग के

नक्शे पर कहा। योएल ने कहा था, हम उसी स्थान पर आये है; हम उस जंक्शन पर आये है, 'यह अन्तिम दिनो मे पूरा होगा, यह अन्तिम दो दिन, अन्तिम दो हजार वर्ष है, परमेश्वर यो कहता है, मै अपनी आत्मा को सारी देह पर उतारुंगा। तुम्हारे बेटे और बेटियां नबुवत करेंगे, और मेरे दास और दासीयो पर उतरेगा, तुम्हारे जवान पुरुष दर्शन देखेगे, तुम्हारे बुजुर्ग पुरुष स्वप्न देखेगे। मै ऊपर स्वर्ग में चिन्ह और चमत्कार दिखाऊंगा, इस तरह की बातें करुंगा।'"

उन्होंने कहा, "हम इसे पाने के लिये क्या कर सकते है? "

182 किस प्रकार की तुम एक बुनियाद डालने जा रहे हो, पतरस? तुम्हारे पास स्वर्ग की कुंजिया है। उसने कहा, "तुम में से हर जन पश्चाताप करो, और अपने पापो के पश्चाताप के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो और तुम पवित्र आत्मा को पाओगे। यह प्रतिज्ञा हर एक पीढी के लिये है जो बाद में अनुकरण करेगी, तुम्हारे बच्चों और उनके लिये जो बहुत दूर है। और जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलायेगा।" यह वो बुनियाद है।

183 देखो, वे—वे आयेगे और अपने—अपने... वे अपने... वे अपने पाठशाला जायेगे। लडके सेवक होने के लिये वे विद्यालय जायेगे (जो ठीक बात है, इसके विरोघ में कुछ नही) लेकीन आप एक सेवक होने के लिये नही सीख सकते है। सेवक का दान परमेश्वर से एक दान है। वे प्रेरित चतुर और बहुत पढे–लिखे थे, जितना वो हो सकते है, यीशु ने फिर भी... वे नही थे, लेकीन उसने उन्हे प्रचार करने नही दिया, जब तक वे पवित्र–आत्मा को नही पा लेते है। और जब उन्होंने पवित्र आत्मा को पाया... अब, यदि आप एक विद्यालय में जाते है, और वो अनुभव जो उन्हे पेन्टीकास्ट पर मिला, तुम पर आता है। आमीन। लेकीन यदि आप ऐसे ही बौध्दिक, विचार धाराणो के जरिये से बाहर आते है, और, तो, एक मास्टर ऑफ बेचलर की उपाधि, और विभिन्न बातों के साथ एक—एक बेचलर की उपाधि, और सारी दुसरी बातों के साथ। यदि आप उन उपाधियों के साथ बाहर आते है, आप अपनी सारी शक्ती को बस अपनी पढाई–लिखाई को दे रहे है। आप अपने हृदय को परमेश्वर को देना चाहते है। परमेश्वर आपके हृदय को चाहता है। हां श्रीमान। वो अपनी शक्ती को देता है, उसके हृदय को नही। हां श्रीमान।

परमेश्वर केवल वही इस्तेमाल करता है, जो हम उसे देते है।

184 अब, आप में बहुत लोग कहेगे, "मै उसे रविवार सुबह के पन्द्रह मिनट दुंगा, यदि वो भाई... यदि तुम उससे ज्यादा प्रचार करते हो, मै उठकर और घर चला जाऊंगा।" तो ठीक है, तुम्हारे पास रविवार सुबह को पन्द्रह मिनट है। यही है जो तुम परमेश्वर को देना चाहते हो। किसी ने कहा, "मै हो सकता है एक आधे घंटे तक बर्दाशस्त कर सकता हूं। मै नही जानता मै इसे किस तरह कर सकता हूं।" तो, देखा, यही है जो तुम्हारे पास है, पन्द्रह मिनट, एक आधा घंटा। देखा?

185 आप क्या दे सकते है? जो आप देंगे, परमेश्वर उसे स्वीकार करेगा, लेकीन परमेश्वर आपको पूरी तरह से चाहता है। वो आपका हर एक अंश चाहता है। वो सब चाहता है। वो सबकुछ चाहता है, जो आप है। वो आपके जीवन को चाहता है। वो आपकी गवाही को चाहता है। वो आपके हर एक मिनट को चाहता है, जो आप जीते है। वो आपसे चाहता है, सही जीये, सही कार्य करे, सही बात करे, सही करे। वो हर एक चीज उसके लिये सिध्द रुप से सम्प्रीत चाहता हे, जिसमे वो आपकी अगुवाई कर सकता है, और उस स्थानों मे रख सकता है, जहां वो आपको ले जाना चाहता है, आत्मा के चलाये चलना।

186 लेकीन आज के लोग कहते है, "अब, एक मिनट रुकना, यदि मेरा पास्टर पन्द्रह मिनट से ज्यादा प्रचार करता है!"

187 मैने यह बहुत बार सुना है। मैने अच्छे पास्टरों को कलीसिया से मुडते हुये देखा है, क्योंकि डिकन के सदस्यों ने कहा, "अब, देखो, यहां, आदरणीय हमने तुमको यहां काम पर रखा है ताकि तुम यहॉ आओ और हमने तुम्हे कभी–भी काम पर नही रखा ताकि तुम यहां आकर और हम पर रोज सुबह आलोचना करो। हम तुमसे चाहते है... हमने—हमने बीस मिनट का समय ठहराया है; घडी बजती है, और अच्छा होगा कि तुम इसका ख्याल रखो!"

188 आप जानते है, मैने—मै—मै एक ऐसी कलीसिया को चाहा था, जो उस एक समय पर हुई। मै उस सौभाग्य को लेना चाहुंगा कि उन्हे बताऊँ कि मै उनके बारे मे जो सोचता हूं, और वचन उनके बारे में क्या कहता है। हां, क्योंकि, यदि इसमें पूरा दिन चला जाता है, तो भी बस प्रचार करते रहो। समझे? परमेश्वर एक सम्पूर्ण समपर्ण को चाहता है। क्या आप यह विश्वास करते है? परमेश्वर एक समपर्ण को चाहता है। आपके समपर्ण से

पहले भला कैसे परमेश्वर आपको सच्चाईयों को बता सकता है? आपको समर्पण करना होगा। सुनना।

189 जब आप सब समपर्ण करते हो... आप उस गीत को गाते है, "*मै समपर्ण करता हूं, मै सब समर्पण करता हूं*।" उन सिगरेटो के बारे मे क्या है? उस कपडो के पहनने के बारे में क्या है? उस गुस्से के बारे में क्या है? उन दूसरी चिजो के बारे में क्या है, जो इसके साथ जाती है? उस छोटे चरित्र के बारे में क्या है जो तुम्हे मिला है? उस छोटे ताक झांक करनेवाले विचारो के बारे में क्या है? किसी को भी डांटने के बारे में क्या है, जिसने यीशु के नाम से बपतिस्मा लिया है?

190 जबकि बाइबल में ऐसी कोई भी ऐसी जगह नही है जहाँ किसी ने भी कोई और तरिके से बपतिस्मा लिया हो। मै किसी को भी चुनौती देता हूं जो मुझे दिखाये कहां पर कोई व्यक्ती कोई भी समय, कैथोलिक कलीसिया के बाहर आखरी प्रेरित के मरने के बाद, जब उन्होंने आरंभ किया, जहां बपतिस्मा में पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा को कभी इस्तेमाल किया गया हो। आकर, मुझे वचन या इतिहास दिखाओ। यह एक कैथोलिक संस्था है। यह एक प्रोटेस्टेन्ट नही है। अब मै आपको बाइबल से दिखा सकता हूं जहां पर बाइबल नबुवत करता है कि वे मेरे नाम का इस्तेमाल उस समय तक करेगे, और एक झुठे नाम से बाहर आयेगे जिसमे वे रह रहे है, और—और वे मरे हुये है। मैं तुम्हे यह वचन से दिखा सकता हूं। बाइबल ने कहा, वे करेगें।

191 यहां पर यह ठीक उनके चेहरे के सामने लाया गया है, लोग इसे क्यो नही लेते है? ठीक बिल्कुल वैसे ही उन्होंने यीशु के दिनों में किया। वे सच्चाईयों को नही चाहते। वे एक संम्प्रदाय को चाहते है। वे कुछ तो चाहते है, वहां जाकर कहते है, "मै *इस* स्थान से ताल्लुक रखता हूं। मै *इस* झुण्ड से ताल्लुक रखता हूं। मै ताल्लुक रखता हूँ!" क्या?

192 आपको स्वर्ग में ताल्लुक रखना चाहिये! यही है जहां आपका लगाव होना चाहिये, जो बाते ऊपर की है। यीशु ने कहा, "अपना मन ऊपर की बातों पर लगाओ ना कि धरती की बातों पर, वे सब चुक जायेगी।" परमेश्वर के साथ बने रहो। सच्चाईयों के साथ बने रहो। परमेश्वर एक सच्चाई का परमेश्वर है। वो हमेशा ही सारे युगो में होता रहा है। किसी समय भी मनुष्य कभी–भी परमेश्वर के साथ चला है, परमेश्वर एक सच्चाई बना है जिसने चिन्ह अद्भुत

कार्यो और चमत्कारो को उसके लोगों के साथ दिखाया। यह परमेश्वर का ऐसा करने का उद्देश्य है। सब समपर्ण करो।

193 ठीक यहाँ लुईसविले में, केन्टकी, ज्यादा समय नही हुआ, वहां एक बहुत ही अच्छे परिवार के लोग थे। उनका एक बिमार बालक था; उन्होंने इसके प्रार्थना के लिये बुलाया। डॉक्टर अस्पताल से चले गये थे। "और उस बालक के बारे में क्या है? "

194 उसने कहा, "वो बालक मर रहा है। इसके लिये कुछ भी नही किया जा सकता है।" कहा, "इसे लुकेमिया हो गया है।" कहा, "ये बालक मरना है।"

195 सोचा, "ओ परमेश्वर, आपने अब भी यह नही कहा। आपने कभी यह गवाही नही दी।" मैने जाकर माता–पिता से बात की, और वे माता–पिता रो रहे थे, और चिख रहे थे। वहां—वहां—वहां वो बालक चला गया था, जहां तक वे जानते थे। लेकीन उन्होंने क्या किया?

196 डॉक्टर सही था। उसने जो भी वो करना जानता था, उसने कर दिया था। लुकेमिया एक खत्म करने वाला है, और कोई भी इसे रोक नही सकता है। कहा, "वो बालक मरने जा रहा है।"

197 वो बुढा जो उस बालक का दादा है। आप सारे मामले को जानते है। और वो बुढा उस बालक का दादा वहां आगे आया। जब उसने मुझे पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के बारे में बोलते सुना, उसने कहा, "मै हमेशा ही याद करता हूं सालो पहले, जब एक बुढे प्रचारक ने कहा, एक समय आनेवाला है जब लोग फिर से पवित्र आत्मा को पायेगे, और चिन्ह और अद्भुत काम किये जायेगे।" वो खुद वहां से एक छोटे कमरे के अन्दर चला गया। वो आपने पुत्र और पुत्र वधु के साथ और नही रुका। वो वहां उस छोटे कमरे में रुका रहा, रो रहा है, प्रार्थना कर रहा है। जब वो बुढा व्यक्ती वहां से बाहर निकला, उसके सर से पसीना बहता हुआ माथे पर था, उसकी आंखे भरी हुई थी, कहा, "वो बालक जीयेगा।"

कहा, "क्या? "

198 उसने कहा, "डॉक्टर, मै आपका विज्ञान के एक मनुष्य होने की नाई आदर करता हूं। मै आपके और आपकी बुध्दि का जो आपने चिकित्सक जांच में सिखा है उसका आदर करता हूं। लेकीन," कहा, "मै प्रार्थना करता रहा और प्रार्थना करता रहा और मैने प्रार्थना करता रहा, जब तक

मैने सबकुछ समर्पित नही कर दिया, जो मुझे समर्पित करना था और पवित्र आत्मा ने कहा, 'वो बालक जीयेगा!'" ऐसा हुआ। क्यो? जो भी उसे पास था उसने समर्पित कर दिया।

199 परमेश्वर उसे ले लेता है और उससे बात कर सकता है, जब उसने सब कुछ समर्पित करने की इच्छा रखी। यही है जो हमारी कमी है। आप अपने मार्गो को समर्पित नही करना चाहते है। आप आपने तरिको को समर्पित नही करना चाहते है। आप उस छोटे गुट को समर्पित नही करना चाहते, जिससे आप ताल्लुक रखते है। आप कोई भी समय को समर्पित नही करना चाहते; आपको प्रार्थना करने के बजाये *यह* करना है, *वो* करना है, या *कुछ* और करना है । आप उन बातों को परमेश्वर को समर्पित नही करना चाहते। परमेश्वर आपसे समपर्ण को चाहता है! बन्द करते हुये । मै यह कहना चाहता हूं। मेरे पास कहने के लिए बहुत है, लेकीन मेरे पास समय नही है। परमेश्वर पुरी तरह से समपर्ण को चाहता है। जब आप सबकुछ समपर्ण करते है, तब आप जानेगे जिस बारे में मै बोल रहा हूं वो सच्चाई है।

200 और यदि आप कहते है, "वे मुझे मेरी कलीसिया से बाहर कर देंगे। वे मुझे प्रचार नही करने देगे," इससे क्या फर्क पडता है? वो एक विज्ञान संबंधी संस्था है। हम जिस बारे में बोल रहे है वो आत्मा में चलना है। परमेश्वर एक सच्चाई है।

201 क्या होता यदि मुसा ने कहा होता, "अब, रुको, मैने मिस्त्र में जादुगरी में महारथ हासील की है। यह सब सीखा है और इत्यादी। मै उन मिस्त्रीयो को कुछ—कुछ—कुछ तरकीबे सिखा सकता हूं। मै उन्हे नीतिशास्त्र सिखा सकता हूं। मैने इसमे एक महारथ हासील की है।" लेकीन जो भी वो जानता था उसे सबकुछ भुल जाना था। और परमेश्वर बस उसमे से सबकुछ निकाल देना चाहता था, इसे करने के लिये उसने चालीस साल लिये। लेकीन जब वो परमेश्वर से आमने–सामने मिला, वो जानता था कि एक जीवीत परमेश्वर था। उसने उसे जलती झाडीयो में देखा था, और उसने उससे बातें की थी। उसने नीचे जाकर और उस काम को खुद के जरिये से किया; उसके पास एक सेना को नही होना है। वो उसके साथ नीचे गया और वो परमेश्वर। उसने मार्ग के नक्शे का अनुकरण किया। उसके पास परमेश्वर की सामर्थ थी। उसके पास परमेश्वर की प्रतिज्ञा थी। उसके पास

परमेश्वर का आत्मा था। उसे अपने नितीशास्त्र और पढाई–लिखाई की आवश्यकता नही पडी।

202 जब यीशु यहां धरती पर था, उसे एक मनुष्य को पाने के लिए फिर से ढुढना था। वो ऊपर और ऊपर चलता गया, वो पढे– लिखे और बुध्दिमान थे, क्या वो किसी भी मनुष्य को पा सका? नही, श्रीमान। उन्होंने उसे बालजबुल कहा, शैतान। वो एक भी नही पा सका जो उसका अनुकरण करे। उसने क्या किया? उसे सबसे बेहतर को लेना था, जो उसे मिल सके। क्या यह तरस खाना नही है?

203 मै हमेशा ही यह सोचता रहता था। और हम बन्द कर रहे है, कलीसिया; इस मुख्य बात पर ध्यान देना। मै हमेशा ही सोचता क्या, क्या, क्यो कैसे हम खुद से वंचित रह गये है। कैसे हमने परमेश्वर के योजना को वंचित कर लेते है, अपने जीवनो को उसे समर्पित न करते हुये, जो कुछ भी हमारा है, उसके लिये है। हमने कैसे उसे उसके—उसके योजना से इन्कार किया है। हम कैसे रोके हुए है, और उसे रोका रखा है और रोके रखा है और रोके रखा हे, वो किसी को तो ढुंढने की कोशिश कर रहा है, जिसके जरिये वो काम को कर सके, एक व्यक्ती को कही से तो पाने के कोशिश कर रहा है, जिस पर वो यकीन कर सके, कुछ मनुष्य जो सबकुछ समर्पित करे।

204 एक समझदारी में आकर, परमेश्वर के मार्ग से अवगत होगे, कहेंगे, "पिता मै यहां हूं। मै परवाह नही करता, मै वचन का, उस छायाचित्र का अनुकरण करूँगा। मै किसी की भी परवाह नही करता कोई क्या कहता है, मै इसके साथ बने रहुंगा," इसका वास्तव में इरादा है। "मै परवाह नही करता मुझे इसकी क्या कीमत चुकानी पडे, मै इसे आरंभ करने के लिये कुछ भी नही हूं, लेकीन मै चाहता हूं आप मेरी अगुवाई करे। और ऐसा हो, पवित्र आत्मा जिसने इस बाइबल को लिखा और इन प्रतिज्ञाओ को किया, इसे मेरे जीवन के जरिए से वापस साबित करे। मै महसुस करता हूं कि आप मुझे उस मार्ग की अगुवाई कर रहे है।"

205 "मै यहां हूं, मुझे भेज," यशायाह ने मंदिर में कहा; उसने दुतो को अपने पंखो को उनके चहरो पर ढाँपते हुये देखा, अपने पैरो पर ढाँपते, और पंखो से उडते। और उन्होंने आग के कोयले को लिया और उसके होठों को साफ किया; तब परमेश्वर का आत्मा उस पर आया। हम क्यो नही कर सकते है? परमेश्वर ऐसे ही मनुष्यों को नही पा सकता है।

206 जब उसने अपने चेलो को ढुंढ निकाला, "वो उसके अपनो के पास आया, उसके अपनो ने उसे नही स्वीकारा।" उसने किसी को नही पाया। वे उसके लिये रुके हुये थे।

207 आज संसार दैविक चंगाई के लिये रुका हुआ है । लेकीन मै परवाह नही करता तुम—तुम कितनी दैविक चंगाई करते हो, फिर भी वे तुम पर विश्वास नही करेंगे।

208 तो, ठीक इसके बाद यीशु से मुड गये, जब सत्तर लोग छोडकर चले गये, वो उन चेलो के पास भी मुडा, कहा, "क्या तुम भी जाना चाहते हो? "

209 उन्होंने कहा, "हम कहॉ जाये? " पतरस, उसने कहा, "तेरे पास अन्नत जीवन की बातें है।" समझे?

210 और वो वहां से चला गया, और वहॉ एक मनुष्य था जिसकी आंखो मे तारे भी नही थे। और उसने कुछ गिली मिट्टी को लिया और उसकी आंखो पर पोत दिया, उससे कहा, "जाकर उस सिलोम हौद पर धो लो।" और जब उसने ऐसा किया, वो वापस देखता हुआ आ रहा था।

211 क्या इस बात ने उन्हे बदला? क्या उसकी प्रसिध्दि बढी? यह कम, कम, कम होती गयी। क्यो? वो मार्ग पर बना रहा। वो मार्ग के नक्शे पर बना रहा।

212 यह आज भी ऐसा ही है। वे चिन्हो, अद्भुत कार्यो, चमत्कारो और सबकुछ हुआ देखते है, और वे कहते है, "ये, यह कुछ भी नही है, यह कैसे भी होना है।" समझे?

213 उन्होंने लाजरस को कब्र से उठाया, ऐसा दिखा जैसे सारे राष्ट्र को यह हिला देगा। बाइबल ने कहा वो ऐसा करेगा। वो चिन्ह थे जो उसके पीछे आने थे। जब वो यहां सामरी स्त्री के पास हुआ और कहा, "तेरे पांच पति है।" इससे सारी दुनिया हिल जानी चाहिये थी।

214 और आज अपने लोगो में खडा है, और आपने देखा है कि यह समय–समय पर उन्ही कामों को करके दिखाता है। और वे कहते है, "क्यों, मै सोचता हूं कि यह सब सही था।" देखो, ऐसे ही बेपरवाह होते है, कोई समपर्ण नही। ओह, वे थोडे समय को देते है, कभी तो एक बार कलीसिया में जाते है और इसी तरह से कुछ तो करते है। लेकीन जब यह एक समपर्ण करने पर आता है, नही, वे इसे नही करेगे: समपर्ण नही करेगे। वे इसे नही चाहते है।

215 जब यीशु ने अपने चेलो को बुलाया, उसको क्या करना है? बहुत ही अनपढ के जैसे, पुरुष और लोगो को लेता है, जो यहां तक अपने नाम का हस्ताक्षर भी नही कर पाते है। "पतरस, यूहन्ना," बाइबल ने कहा, "वे अनपढ और गंवार थे।" यही है, जिसे उसे लेना था।

216 लेकीन यदि बुध्दिमान होंगे, तब वे उसकी नही सुनेगे, वे उसकी अब भी नही सुनते है। उनके पास उनकी खुद की कार्यप्रणाली थी। वे अपने खुद के मार्ग पर है। और वे—वे उसी का अनुकरण करते है क्योंकि उन्हे उस तरिके से शिक्षा दी गई है। क्योंकि उनके पास्टर, उनके—उनके बिशप, और उनके प्रधान और वे पोप, और जो कोई भी है, उन्हे उस रास्ते पर निर्देशित किया है।

217 लेकीन वो पवित्र आत्मा आपको वापस पेन्टीकास्ट पर लेकर आयेगा, हर एक समय; उन्होंने वचन में हर एक के लिये किया, और यह इस दिन में, हर एक के लिये होगा। यह तुम्हे उस सच्चाई पर वापस लेकर आयेगा। यह तुम्हे वापस आत्मा की सामर्थ के लिये एक बपतिस्मा के लिये लेकर आयेगा, जो तुम्हे अगुवाई करेगा और कभी एक वचन भी बाइबल से नही निकालेगा। यह ठीक बाइबल मे बना रहेगा। जहां पर यह कहा गया है, यह ठीक इसमें से होकर अनुकरण करेगा। पवित्र आत्मा इसे करेगा। यह एक सच्चाई को लाता है।

218 उसने क्या किया? उसने उन मछुवारो को लिया था, जिनके पास यहॉ तक कपडे भी नही थे, ऐसे ही कुछ तो अपने चारो ओर लपेटे हुये थे; मछली के टुकडे जैसा और इत्यादी, कोई कपडे नही; बहुत ही अनपढ, वे अपने नाम के हस्ताक्षर नही कर सकते है: गंवार, कोई पढाई लिखाई नही। लेकीन उसने किसी को तो पा लिया। उसे किसी को तो लेना था। लेकीन उसने इस तरह की अवस्था में उन मनुष्यों को पाया, जो समर्पण करना चाह रहे थे, जो चाह रहे थे... उनके पास कुछ भी पकड के रखने के लिये नही था। उनके पास कलीसियाये नही थी, कोई संस्थाए नही और कुछ भी नही। वे केवल अनपढ मछुवारे थे, भेडो को चराने वाले; नही जानते कैसे लिखना है, नही जानते कैसे पढना है, नही कुछ भी नही। लेकीन उनके पास गवाने के लिये कुछ नही था, और उसे वे मिल गये, और उन्होंने समर्पित किया। उन्होंने कहा, "जो कुछ भी आप कहेंगे प्रभु, हम वो करेगे। हम आपका अनुकरण करेगे।"

219 लेकीन जब उन्होंने पुरी तरह से समर्पित किया और खुद को परमेश्वर को दे दिया, परमेश्वर ने उन्हे एक पेन्टीकास्टल की सच्चाई दी। उसने उन्हे ऊपर पेन्टीकास्ट के लिये अगुवाई की और उन्हे वो पवित्र आत्मा दिया। वे वहां पर परमेश्वर की आत्मा के नीचे थे, लोगो के लिये सब प्रकार के मुर्खता के चिन्हो को करते हुये, हकलाते हुये और आगे–आगे करते हुये और यह कोशिश करते... बाइबल ने कहा। वे कहां पर थे? वे उस महामार्ग पर थे।

220 बाइबल ने कहा, "हकलाते होठ होगे और अन्यभाषा के साथ, मै इन लोगो से बात करुंगा, और यह उनके प्राण के लिये विश्राम है। यही वो बात है जो आने वाली है।" यशायाह 28:18, इसे पढे। "लडखडाते होठो और अन्य भाषा के साथ मे इन लोगो से बात करुंगा। यह वो विश्राम है।" रविवार नही, बाकी के दिन नही। पवित्र आत्मा वो विश्राम का दिन है। तुम जो एडवेन्ड (संस्था) के भाई हो। सातवा सब्त का दिन, विश्राम का दिन नही है। पवित्र आत्मा विश्राम का दिन है। "लडखडाते होठो और अन्यभाषा में, मै इन लागो से बात करुंगा। और यह सब्त है। यह है!" *सब्त* का मतलब "विश्राम" है। यह प्राण के लिये विश्राम है, आपके पास अन्नत विश्राम है।

221 जैसे परमेश्वर, जब उसने जगत बनाया, सातवे दिन, उसने उसके बाद विश्राम किया। उसने विश्राम किया; वो विश्राम पर चला गया।

222 जब हम परमेश्वर के अन्दर प्रवेश करते है। हमारे पास अन्नत जीवन होता है। पवित्र आत्मा तुम्हे विश्राम देता है।

223 अब, उनके पास एक पेन्टीकोस्टल का अनुभव या, परमेश्वर की एक सच्चाई। उन्होंने कुछ तो पाया।

224 मुझे एक बात को और कहने दो। संप्रदाय एक भुखे हृदय को तृप्त नही करते है। संप्रदाय नही करेंगे। यदि एक मनुष्य परमेश्वर के लिये भुखा है, तुम उसे कहते हो "सम्प्रदाय के प्रेरित कहते है; कलीसिया से जुडो: अपने नाम को यहां डालो; छिडकाव करना या डुबना है," या जो कुछ भी आप चाहते है, यह कभी भुखे प्राण को तृप्त नही करेगा। क्योकि वे पहले से जीवन को ढुंढने के लिये ठहराये गये है। वे एक समय दुत थे, वहां एक समय एक दुत थे जो कभी हारे नही। दो–तिहाई स्वर्ग में दुत हार गये; वे वो दुष्ट आत्माये है जो इन लोगो के बीच काम कर रही है, बहुत ही धार्मिक।

आप जानते है कि बाइबल यह कहता है। आप सब यहां ऐसे हमेशा ही सही नही थे। तुम एक समय कही पर तो थे।

225 याद रखना, पाप का आरंभ धरती पर नही हुआ। पाप को आरंभ स्वर्ग में हुआ, जब लुसीफर लेकर और उसे बनाया... उसने कहा, "मै एक संस्था चाहता हूं, एक बहुत बडी चीज को बनाना चाहता हूं।" उत्तर देश में जाकर और मिकाएल के पास जो था, उससे भी बडी चीज को बनाता है। और लुसीफर स्वर्ग से लात मारकर बाहर कर दिया ।

226 और वे जो दुत पहले वहॉ थे, वे आत्माये... जब, यही वो कारण था, "जब हमारा धरती का घर ढा दिया जायेगा, हमारे पास पहले से एक और रुका हुआ है।" समझे? और यही कारण है, हमारा नाम जगत के नीव डालने से पहले मेम्ने के किताब मे डाल दिया। "जो भी पिता ने मुझे दिया है, वो मेरे पास आयेगे।"

227 आप कैसे कर सकते है? "तुम्हारे पास आंखे है और देख नही सकते, कान है पर सुन नही सकते हो।" कोई आश्चर्य नही, देखा। वहां, वो सारी बातें है, देखो, जो परमेश्वर ने वहां पहले प्रतिज्ञा की, यह सब... और मैने एक रात कहा था कि एक मनुष्य...

228 यीशु ने कहा। वो पशु जो धरती पर आता है, वो मसीही विरोधी, बहुत ही धर्मी रहा है, इतना नजदीक, हो सके तो चुने हुओ का भी भरमा देगा। वो बडी, कैसे वो बडी संस्थाये आरंभ होगी, और उनके पास दुसरी संस्थाये होगी। वो पुरानी माता वेश्या; और उसकी वेश्याओ की छोटी बेटी जो बाहर निकली संस्थाये है। कहा, "और वे लगभग सारे संसार को भरमा देगे... यह हो सके तो चुने हुओ को भी भरमा देंगे, यदि यह संभव होता।"

229 लेकीन यह यह संभव नही है: उनके नाम मेम्ने पर रखे गये थे। "जिन्हे वो पहले से जानता है, उसने बुलाया: जिन्हे उसने बुलाया, उसने धर्मी किया है; और जिन्हे उसने धर्मी किया, उसने महिमावन्त भी किया है।" तो और कोई नही है। आपने देखा? यह सही है। आप नही आ सकते है, जब तक वो आपको नही बुलाता है। यह उसके चाहने से नही या उसके दौडने से; यह परमेश्वर है जो दया दिखाता है। यह बिल्कुल ऐसा ही है। यही है जो वचन ने कहा।

230 तब, वे इसे नही सुनना चाहते है। क्यो? वे अन्धकार के है। वे संप्रदाय को अनुकरण करना चाहते है। "मै उतना ही अच्छा हूं जितने कि आप है।"

वहां अच्छाई के बारे में कुछ नही कहा गया है। कोई भी अच्छा नही। यह परमेश्वर है जो अच्छा है, समझे। लेकीन क्या तुम उसे समर्पित करना चाह रहे हो? यही है जिसे मै सोच रहा हूं। क्या आप समर्पित करने को तैयार है? देखा? यह एक भुखे प्राण को तृप्त नही—नही करता है। ध्यान देना।

231 जब, पौलुस, कितने लोग जानते है कि वो एक—वो एक धर्मज्ञानी था? क्यों, वो एक बौध्दिक दानव था। उसने निश्चय, उसने गमलील के नीचे शिक्षा को पाया था, उन दिनो की सबसे बढिया शिक्षा वहां थी। लेकीन उसने क्या कहा, जब वो कलीसिया में आया? 2 कुरन्थियों 2:4 पढे। 2 कुरन्थियों 2:4 में, उसने कहा, "मै तुम्हारे पास लुभानेवाली बातों के साथ नही आया हूं, जो इस संसार के मनुष्यों का ज्ञान है; क्योकि यदि मैने किया है तो तुम्हारा भरोसा मनुष्य के ज्ञान पर होगा, संस्थाये, संम्प्रदायो पर। लेकीन मै तुम्हारे पास पवित्र आत्मा के सामर्थ और प्रमाण के साथ आया हूं। क्या प्रमाण? पवित्र आत्मा के द्वारा, चिन्ह और अद्भुत कार्य दिखाते हुये। मै तुम्हारे पास उस तरह से आया हूं, कि तुम्हारा—कि तुम्हारा भरोसा, तुम्हारा विश्वास कुछ कलीसियाओं के बडी संस्थाओ के ज्ञान पर विश्राम न करे, लेकीन यह पवित्र आत्मा की सामर्थ और यीशु मसीह के पुनरुत्थान पर विश्राम करे।" वो अब तक का सबसे बडा धर्मशास्त्री, जो कभी हुआ, उसने कहा, कि मसीह को पाने के लिये जो भी वो जानता था उसे सबकुछ भुल जाना था। और उसने कहा, "मै बौध्दिक बातों को प्रचार नही करता, मै पवित्र आत्मा की अगुवाई से साधारणता को प्रचार करता हूं। और मै यही प्रचार करने आया हूं।" कहा, "मै दूसरे तरिके से प्रचार कर सकता हूं" कहा, "मेरे काम और मेरे—मेरे काम इस तरह से प्रचार नही करते है।"

232 अब, हम देखेंगे, यदि हमे लाखो और भी "34" "44" या जो भी यह है नही मिल सकते है उनका प्रचार वाक्य है। "हमे इस वर्ष बहुत से सदस्यों को जोडना है।

233 उसने कहा, मै यह कर सकता हूं, जो मेरे पास बहुत समय से था लेकीन मुझे इससे दूर जाना है, मै तुम्हारे पास आया हूं धर्मशास्त्र की लुभानेवाली और फुसलानेवाली बातों के साथ नही, मै पवित्र आत्मा की सामर्थ और प्रमाण के साथ आया हूं, कि तुम्हारा विश्वास पवित्र आत्मा पर तैयार हो और किसी मनुष्य के ज्ञान पर नही।" ओह, प्रभु!

234 परमेश्वर ऐसे ही मनुष्यों के लिये देख रहा है। परमेश्वर आज उन मनुष्यों के लिये देख रहा है, जिसे वो इस तरह से पकड सकता है।

235 ज्यादा समय नही हुआ, लन्डन में, इंग्लैण्ड, मै थोडा टहल रहा था... और इंग्लैण्ड ब्रिटीश टापू है जो बहुत से लोगो से भरा है। इंग्लैण्ड में तुम्हे मुश्कील से स्थान मिल सकता है, मुश्कील से, लेकीन जब उन्हे वहॉ पर घर मिला और वे वहां बढने लगे... जैसे जर्मनी में, और इत्यादी, वे पुराने देश है, और घिसी हुई जमीने और उनके पास एक छोटा बगीचा है। जर्मनी और इसी तरह के स्थानो में, तुम्हे पिछला आंगन नही मिलेगा, जिसमे कुछ कटी घास हो और बहुत सारे पेड हो। तुम्हे टमाटर और बीन्स और आलु, कुछ तो खाने को मिलेगा। जो उनके पास है। और जमीने इतनी ऊपर है कि...

236 वो छोटा सा गोरा यौध्दा, जो मुझे यहां–वहां ले गया। हम सबसे ऊपर पहाडी पर गये, भाई बेक्सटर और मैं, और वो लडका। हम एक ऐसे स्थान पर आये, जो बहुत ही खुबसुरत स्थान था। वहां पर पेड थे, और हरी घास थी और सबकुछ था। मैने सोचा "क्या यह सुंदर जगह नही है।" मैने उस गोरे व्यक्ति से कहा; मैने कहा, "श्रीमान, मै—मै आपसे एक सवाल पुछना चाहुंगा।" मै आपके टापू को यहां इतना ढका हुई देखता हूं। यहां पर एक विशाल जगह है, बहुत सी एकड जमीन, एक खुबसुरत स्थान जो पेड और नदियों के साथ है, और इसी तरह से सबकुछ है, तुम इसे क्यो छोड रहे हो, और कोई भी यहां घर को नही बनाता है?

237 उसने कहा, "आदरनीय, मै—मै यह बताना चाहता हूं। लगभग दो हजार साल पहले, यहां इंग्लैण्ड में, यहाँ एक काला मेह नामक बुखार आरंभ हुआ था।" और यह कहा "उनके पास कोई टीका नही था और लोग मख्यीयों की तरह मर गये।" वे गाडी चलाने वाले, उन्होंने मुझसे कहा, वे दिन और रात आते है। वे उन्हे दफना भी न सके। वो पादरी लोग यहां पर आकर बस आकर, कभी तो एक बार, अपने हाथों को उठाते और प्रार्थना करते और वापस चले जाते। उन्होंने यहां इस नदी में सबको फेक दिया। वे उन्हे दफना भी नही सके। कहा, "वे मरते गये, और वे ऐसा करते गये, हजारो गुना हजारो, बालक, बढते हुये बच्चे, नौजवान, और सब जन मर गये। और वे उन्हे ऐसे वहां बाहर लेकर गये और वे फिर उन्हे

ऐसे उठाते और उनके ऊपर मिट्टी को फैला देते, जब वो महामारी समाप्त हो गयी।"

238 और उसने कहा, "आप क्या यह जानते है? " उसने कहा, "उस दिन से आज तक, इंग्लिश व्यक्ती ने इतना निश्चय किया है कि वो यहाँ अपने बुनियाद को नही डालेगा, जहॉ पर एक समय ऐसा हुआ था। वो अपनी बुनियाद को इस तरह को बातों पर नही डालेगा... वो कभी अपने घर को नही बनायेगा, जहॉ इस तरह की मृत्यु हुई हो।" और मै वहां थोडी देर तक खडा रहा, और मैने सोचा। उसे यह बोलने की आवश्यकता नही है, वो इसे नही समझ पायेगा।

239 लेकीन कैसे इस संसार में, एक व्यक्ती यदि वो कालामेह बुखार, जो दो हजार साल पहले हुआ, जो उस जमीन पर गडा हुआ है... लेकीन आप अपने लिये इतने संदेहजनक और चिन्तित होते है आप को थोडा और जीना है, और आप चिन्तित होते है शायद वो कालामेह का बुखार हो जाएगा यदि आपने घर को वहॉ बनाया तो। फिर आप अपने अन्नत मंजिल को उन मनुष्य की बनाई हुई संस्थाओं पर डालेगे, जो सैकडो साल पहले मर गये, कुछ धार्मिक विद्यालय, कलीसिया के कुछ धार्मिक विद्यालय, जो हजारो सालो से उस अलमारी पर रखी हुई है; एक भी बात नही, एक भी उन में परमेश्वर की हरकत नही, और जो कुछ भी है। और आप अपने नाम और संप्रदाय से चिपकेगे और जो कुछ भी ठीक वहां पर है, और ऐसे ही जीयेगे। सुनना दोस्तो, तुम ऐसा मत करना।

240 इस चट्टान पर में अपनी कलीसिया बांधुगा, और शत्रुओं के फाटक इस पर कभी प्रबल नही होंगे। जो काम मै करता हूं, तुम भी करोगे। तो मै तुम्हारे साथ रहुंगा, यहॉ तक तुम में, हमेशा ही, संसार के अन्त तक; यीशु मसीह, कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

241 परमेश्वर एक सच्चाईयो का परमेश्वर है। केवल एक रीति–रिवाज को न लेना। ऐसे ही एक सनसनी को न लेना। एक सच्चे परमेश्वर को लेना, कुछ तो जो परमेश्वर है, सच्चाई का परमेश्वर जो तुम्हे आश्वासन देता है। यह तुम्हे आशा देता है। यह तुम्हे विश्वास देता है। यह तुम्हे आत्मा देता है। यह तुम्हे चिन्हो को देता है। यह तुम्हे अद्भुत कार्य देता है। यह तुम में वैसा ही करता है, जैसे इसे मसीह में किया। क्योंकि उसके आने को उद्देशय यही

था: ताकि परमेश्वर को मनुष्य के लिये लाये, और परमेश्वर और मनुष्य को एक करे।

242 लेकीन उसने संस्थाओ को लिया और उसे बाहर कर दिया; संप्रदायो को लिया और उसे बाहर कर दिया; और अब हम बाहर—बाहर से निकलते हुए यहॉ पर आए है। लेकीन यहां पर एक सच्चा महामार्ग है, और उस महामार्ग में "एक मार्ग" है।

243 अब आप जो नाजरीन भाई है, मै आपको यह कहना चाहता था। आप कहते है, "वो घन्य प्राचीन मार्ग।"

244 लेकीन यह महामार्ग नही था। यदि आप ध्यान देंगे। कहा, "वहां एक महामार्ग है," *और* एक संयोजक "और एक मार्ग है।" और वो मार्ग, उस महामार्ग में है। सारे मार्ग, महामार्ग की ओर नही जाते है, लेकीन जो कोई भी मार्ग में है वही जाता है। समझे? "वहां एक महामार्ग है, और... " यशायाह 35 पढना। "वहां एक महामार्ग है और एक मार्ग है।" समझे? महामार्ग पर, एक मार्ग के मध्य में एक मध्य–बिन्दु होता है। और जहां पर वो रास्ते का मध्य होता है। और जब बारिश आती है, वो सारे किनारे के कचरे को साफ कर देती है।

245 और यदि आप देखेगे, जब एक मनुष्य परिवर्तन होता है, वो अपनी आंखो को सीधे मसीह पर स्थिर करता है। अब, यदि आप नही देखते है तो, जैसे मैने एक रात प्रचार कर रहा था जैसे...

246 जब याकुब और एसाव ने जन्म लिया था, उन दोनो ने एक पवित्र पिता से और एक पवित्र माता से जन्म लिया था, लेकीन वे दोनो जुडवा थे; एक शारीरीक मनुष्य था, धर्मी, कलीसिया जाता और अच्छा मनुष्य, बहुत ही अच्छा। याकुब थोडा एक धोखेबाज था। लेकीन उसका मन एक बात पर था। वो जन्म अधिकार उसके लिये सबकुछ था, कोई फर्क नही उसे इसे कैसे भी लेना था। क्योंकि बाइबल ने कहा कि वो उस पर नजर रखने के लिये, जगत के नीव डालने से पहले ठहराया गया था।

247 और आज वहां कुछ लोग है, मै परवाह नही करता उन्हें कितनी प्रसिध्दि का इस्तेमाल करना पडे, उनको कितना भी नुकसान पडे या जो भी वे करे; उनके लिये कोई फर्क नही पडता, यदि उन्हे पुराने आचारण के लोग बुलाये, कोई फर्क नही कि वे क्या है, उनकी आंखे मसीह पर है क्योंकि वे अन्नत जीवन के लिये चुने हुये है। और वे ठीक वहां पर लगाये

गये है। यदि वे हर एक चीज को ले लेते है, यदि सबकुछ जो उनके पास है ये ले लेते है, वे वहां लगाये गये है।

248 वे दुसरे एक साधारण से मनुष्य है। वो कलीसिया जाता है और वो बाकी के लोगो के जैसे अच्छा महसुस करता है, घर जाता है। देखा, यह एसाव का जीवन है। समझे? और वो एक दुसरा याकुब का जीवन है। अब, आप वही पर है, दोनो तरफ।

249 अपनी बुनियाद को यीशु मसीह में बोना है! निश्चय करो, कि यह उसमे है। आप उस में कैसे होते हो? हाथ मिलाने के द्वारा, जल छिडकाने के द्वारा, या कुछ और, क्या? "एक आत्मा के द्वारा," 1 कुरुन्थीयों 12, "हम सबने एक देह, एक पवित्र आत्मा में बपतिस्मा लिया है।" उस एक देह में बपतिस्मा लिया है, जहां पर उस एक देह में, वो नौ आत्मिक दान है, और चार कार्यधिकार है । उस में परमेश्वर ने कलीसिया को स्थिर करता है, वे प्रेरित, वे नबी और इत्यादी, इस कलीसिया में। इस में वहां दान है चंगाई, चमत्कार, अन्यभाषा में बोलना, बुध्दि, ज्ञान, ये वो बाते है जो चिन्ह है, जो विश्वासीयों के पीछे जाते है।

250 आप क्यो ग्रहण करते... आप क्यों ग्रहण करते... जो मै इसे नही समझ सकता हूं, लोग उन कुछ पुराने गिरजे संबंधी शोक को क्यो चाहते है, जबकि वो चट्टान मधु से भरी है। मै इसे समझ ही नही सकता हूं।

251 आइये अपने सरो को झुकाये। क्या आप प्रार्थना में याद करना चाहेगे, कहते हुये, "परमेश्वर मेरे हृदय पर इच्छा को देना। मै प्रभु यीशु से प्रेम करता हूं? "

252 हमारे स्वर्गीय पिता, कभी–कभी मै सभा होने के बाद में सोचता हूं। क्यो पवित्र आत्मा निरंतर कलीसिया को प्रहार करता है? कैसे वो इसे करता है? फिर भी, जो आत्मा से अभिषिक्त मनुष्य है, वे कभी नही कह सकते है जो कहना चाहते है: उन्हे वही करना होता है जो आत्मा कहने के लिये कहता है। और हम देखते है कि उस प्राचीन बाइबल में, सोने को पीटने वाले, वो पीटने वाला सोने को मारता है, और सोने को मारता रहता है और इसे पलटी करता है और इसे मारता है, जब तक उसपर के कचडे को निकाल नही देता है; और वो इसे बहुत देर तक मारता है, जब तक वो अपने प्रतिबिम्ब को उस सोने में नही देख लेता: फिर वो इसे जान लेता है यह शुध्द था। ऐसे ही पवित्र आत्मा कलीसिया को मारता है, इसे पलटी

करता है, इसे *इसके* लिये दोषी ठहराता है और इसे *उसके* लिये दोषी ठहराता है जब तक उस गंदगी को निकाल नही देता है। जब तक उसके लोगो में यीशु मसीह का सच्चा प्रतिबिम्ब नही दिखाई देता है, जिससे उनके पास वही जीवन हो, वही चिन्ह, उन्ही चमत्कारो को करते जो उसने किये, वो लोगों में पवित्र आत्मा का प्रतिबिम्ब होता है।

253 परमेश्वर मेरे कंगाल हृदय को ले। मुझे मारिये, मुझे घुमाइये, जो भी आप करना चाहते है, प्रभु, लेकीन मुझे यीशु को प्रतिबिम्ब होने दिजीए। मुझे उसे प्रतिबिम्ब करने दिजीए, प्रभु। सारे लोग जो आज यहां है, होने दे प्रभु, हम सब आपको प्रतिबिम्ब करे, आपका प्रेमी जीवन, आपका पिता के लिये आज्ञाकारी रहना।

254 हमने अभी उन्हे बताया है कि आप अपनी प्रसिध्दि में नीचे आ गये। जब आप बिमारो को चंगाई देने के लिये गये, निश्चय ही, आप महान थे; लोग आपको देखने आते थे। लेकीन यह क्या था? रोटीयॉ और मछली। और जब आपने उन्हे वचन की सच्चाई बताई; वे उस पर चलने की इच्छा नही रख रहे थे; तब आपकी प्रसिध्दि निरन्तर कम होती गई। आपने चमत्कारो को जारी रखा, लेकीन आपकी प्रसिध्दि कम हो गई।

255 आप एक सच्चाई के परमेश्वर है। आप हमेशा से ऐसे ही रहे है। आप नही बदले है। मै प्रार्थना करता हूं, पिता, कि कलीसिया और सारे लोग जो यहां पर है, अपने हाथों को उठाया है, उन्हे आज का एक दर्शन मिलेगा। वे देखने पाये, प्रभु कि यह मनुष्य नही है। यदि हम मनुष्य के पीछे जाते है, तब हम दुखित होते है। लेकीन यदि हम पवित्र आत्मा के पीछे जाते है, वो हमें बाइबल की हर एक प्रतिज्ञा की ओर अगुवाई करेगा। होने पाये हर एक चीज आज यहां लोगों में पुरी हो।

256 मै बालको के छोटे कपडो, जैकेट्स, रुमाल पार्सल को हाथो में पकडे हुए हूं। हमे बाइबल में सिखाया गया है, कि उन्होंने पौलुस की देह से रुमाल और कपडो को लिया; और अशुध्द आत्माये लोगो से निकल गयी, और—और बिमारीयो से चंगाई पायी। आज लोग अब भी उसी परमेश्वर को देखते है। अब, हम जानते है हम सन्त पौलुस नही है, लेकीन आप अब भी वही यीशु है। और यह सन्त पौलुस नही है; यह सन्त पौलुस था जिसने यीशु मसीह को जीवन समर्पित किया था। प्रभु ने विशेष चमत्कारो को दिखाया; पौलुस नही, वो प्रभु।

257 अब पिता परमेश्वर, हम विश्वास करते है कि हम एक बात को नही जानते, बहुत सी बार निन्दा हुई; पांव को धोना, यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा, स्त्री प्रचारको को मना करना, प्राण के अंनत सुरक्षा पर विश्वास करना जैसे पौलुस ने सिखाया। इफिसियो को बताया, "वे परमेश्वर के पुत्र और कन्या होने के लिये जगत के नीव डालने से पहले ठहराये गये है।" कुरन्थियो को बताया, "परमेश्वर ने एसाव से घृणा की और याकुब से प्रेम किया, उनके जन्म होने से पहले, उनके सही और गलत जानने का मौका हो उससे पहले," क्योंकि वो—वो पहले से ठहराया गया। उसके पुर्वज्ञान ने उसे बताया। और पिता, वे वहां पर इस तरह की चीजो पर क्यों छुट गए है, वो पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, चिन्ह और अद्भुत कार्य जिसकी आपने प्रतिज्ञा की है, बाइबल कहता है, "आप कल, आज और युगानुयुग एक से है?" पिता हमारा कुछ अलग ही मतलब नही होगा। लेकीन... हम... आपके सेवक होने के लिये, हमे आपके वचन का अनुकरण करना है। मै प्रार्थना करता हूं पिता, कि आप लोगो को दिखायेगे कि ये कुछ अलग नही होगा या स्वार्थ नही होगा, यहां कोई तो कोशिश नही करेगा कि हम कुछ नही है। हम केवल आपके वचन को थामने की कोशिश कर रहे है। हर एक जन इसे देखने पाये, पिता।

258 और जैसे मै इन कपडो को बिमारो को भेजता हूं, होने पाये उनमे से हर एक चंगाई पाये, प्रभु। होने पाये आपका पवित्र आत्मा विश्वास के प्रमाण को देखे और वे जाकर और चंगाई को पाये। इसे ग्रहण करे, प्रभु।

259 भाई नेविल को आशिष दे। कलीसिया को आशिष दे, एक साथ। रविवार की पाठशाला को आशिष दे, और शिक्षको को। यहां सारे पास्टरों को आशिष दे। हमारे द्वार पर मेहमानों को आशिष दे।

260 प्रभु, मेरी सहायता करना मुझे अब गाडी तेज चलाना होगा, वहां उस टुटे हुये हृदय परिवार को सात्वना देने की कोशिश करु; एक सौ पच्चास मील या ज्यादा, जो वहां उस देश में है, उधर पहुचने के लिये थोडा ही समय है। मेरे साथ होना, प्रभु। मेरी सहायता करना। और होने पाये इस... कभी, मै कभी उस व्यक्ति से ऐसे बात न करुं जो विचलित हो, जबतक उन्हे आपको स्वीकार करने का मौका नही मिलता जो वहॉ खडे है। परमेश्वर, उन्हे ग्रहण करे उन बहुत से दीन केन्टकी के लोगो को उस वेदी पर नम्रता से चलकर

आते है, आज दोपहर उस मेथोडिस्ट कलीसिया में और अपने हृदय को आपको देते है। इसे ग्रहण करे, प्रभु। उन पर अब दया करे।

261 हम सबको एक साथ आशिष दे, बिमारो को चंगा करे, खोये हुओ को बचाये। हम यीशु के नाम से मांगते है। आमीन।

262 मै भाई नेविल से पुछुंगा, कुछ मिनटो के लिये, अब सभा को जारी रखने के लिये ले, और मै नही जानता, वो इस समय क्या करने जा रहे है। और आप सब मेरे लिये प्रार्थना करना, मै आपसे बाद में मिलुंगा। परमेश्वर आपको आशिष दे। भाई नेविल।

जीवित परमेश्वर की अचुक सच्चाईयॉ HIN60-0626

(The Unfailing Realities Of The Living God)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 26 जून, 1960 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडिआना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org